दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 64 | ग्वालियर, शनिवार 24 अप्रैल 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

ऑक्सीजन के लिए देश में मारामारी, सप्लाई में मदद के लिए आगे आई एयरफोर्स

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने भारत में भयावह रूप ले लिया है. कोरोना की भयंकर तेज रफ्तार से हाहाकार मचा है. संक्रमण से हालात दिनों दिन बिगड़ते जा रहे हैं और जरूरी दवाओं से लेकर ऑक्सीजन की भारी किल्लत है. ऑक्सीजन की कमी ने मरीजों की सांसें अटका दी हैं. ऐसे में भारतीय रेलवे के बाद अब भारतीय एयरफोर्स ने इस संकट काल में लोगों की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है. ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाओं की आपूर्ति के लिए एयरफोर्स ने जिम्मेदारी उठाई है.

भारतीय एयरफोर्स ने लगाए अपने विमान–ऑक्सीजन की सप्लाई में मदद के लिए भारतीय वायुसेना ने अपने दो ष्ट-17 विमानों को लगाया है, जिन्होंने गुरुवार को दो खाली क्रायोजेनिक ऑक्सीजन कंटेनर को पनागढ़ तक एयरलिफ्ट किया. जबकि एक आईएल-76 विमान ने एक खाली कंटेनर को पहुंचाने में मदद की. ऑक्सीजन सप्लाई में वायुसेना की मदद से कम समय लगेगा और आपूर्ति में तेजी आएगी. हालांकि विमानों में खाली सिलेंडर ही भेजे गए, ताकि समय बच सके. भरे सिलेंडर ट्रेन से जा रहे हैं. हालांकि आपको बता दें कि यह सिर्फ खाली कंटेनर थे, उनमें ऑक्सीजन भरी हुई नहीं थी. भरे हुए ऑक्सीजन सिलेंडर को एयरलिफ्ट नहीं किया जा सकता है. पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इसके पीछे का कारण बताया था. कोरोना के हालात पर सुनवाई के दौरान जब दिल्ली सरकार ने सुझाव दिया था कि तत्काल ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इसका परिवहन विशेष विमान से किया जा सकता है. इस पर हाईकोर्ट ने कहा था कि उनके विधि शोधार्थी द्वारा किए गए शोध से पता चलता है कि ऑक्सीजन को एयरलिफ्ट करना खतरनाक हो सकता है.

भरे हुए ऑक्सीजन ट्रक के लिए ट्रेन–गौरतलब है कि भरे हुए ऑक्सीजन ट्रकों को तत्काल पहुंचाने के लिए भारतीय रेलवे आगे आई है. ऑक्सीजन की भारी किल्लत के बीच रेलवे की ओर से ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन चलाई गई. यह स्पेशल ट्रेन सबसे पहले महाराष्ट्र भेजी गई. ट्रेन में आंध्र प्रदेश से ऑक्सीजन से भरे ट्रकों को महाराष्ट्र लगाया गया. इसके अलावा भी अन्य राज्यों में ऑक्सीजन की सप्लाई में रेलवे मदद कर रही है.

रोगियों के लिए नई क्लीनिकल गाइडेंस, टोसिलीजुमैब की सिफारिश

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने वयस्क कोविड-19 (कोविड-19) रोगियों के इलाज प्रबंधन के लिए संशोधित क्लीनिकल गाइडेंस जारी की है, जिसमें गंभीर बीमार होने की सूरत में आपातकालीन उपयोग के तौर पर टोसिलीजुमैब दवा के उपयोग की सिफारिश की गई है. इस दवा का उपयोग बीमारी की शुरुआत अथवा आईसीयू में भर्ती होने के 24 से 48 घंटे के भीतर शुरू करने की सिफारिश की गई है. यह दिशा-निर्देश मंत्रालय के अधीन आने वाले एम्स, आईसीएमआर-कोविड-19 राष्ट्रीय कार्यबल और संयुक्त निगरानी समूह द्वारा जारी किए गए हैं. टोसिलीजुमैब दवा का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता है. दिशा-निर्देश के मुताबिक, प्लाज्मा का उपयोग भी बीमारी के शुरुआती चरण में किए जाने की सिफारिश की गई है. खासकर बीमारी के लक्षण सामने आने के सात दिनों के भीतर ही प्लाज्मा थैरेपी के उपयोग की सलाह दी गई है.

पीएम ने ऑक्सिजन आपूर्ति की समीक्षा के लिए मीटिंग की–प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में ऑक्सिजन आपूर्ति की समीक्षा करने के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की और अधिकारियों से प्राणवायु का उत्पादन बढ़ाने, इसके वितरण की गति तेज करने और स्वास्थ्य प्रतिष्ठानों को ऑक्सिजन उपलब्ध कराने के लिए नए तरीके अपनाने को कहा. मोदी शुक्रवार को चुनाव रैलियों को संबोधित करने बंगाल नहीं जाएंगे और महामारी से संबंधित स्थिति की समीक्षा के लिए यहां उच्चस्तरीय बैठकें करेंगे.

केंद्र सरकार ने फिर खोला खजाना

80 करोड़ गरीब परिवार को मिलेगा 5 किलो मुफ्त राशन

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर से देश की हालात काफी खराब हो चुकी है. भारत में कोरोना (कोविड-19) इतनी तेजी के साथ फैल रहा है कि लोगों में हाहाकार मचा हुआ है. इस महामारी से निपटने के लिए पीएम मोदी ने आज 11 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की. बैठक में पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों से उनके राज्य के हालात की जानकारी ली. इस बीच केंद्र सरकार की ओर से बड़ी घोषणा की है. केंद्र सरकार ने इस महामारी के बीच में एक बार फिर से सरकारी खजाने का मुंह खोल दिया है. केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए फैसला लिया है कि मई और जून में

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण किया जाएगा. इस योजना का लाभ तकरीबन 80 करोड़ गरीब परिवारों को मिलेगा. जानकारी के मुताबिक भारत सरकार इस पहल पर 26,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगी. प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि ये बहुत महत्वपूर्ण है कि गरीबों को पोषण युक्त अनाज मिले, जब देश कोरोना वायरस की दूसरी लहर का सामना कर रहा है. केंद्र सरकार इस योजना पर 26 हजार करोड़ रुपया खर्च करेगी. बता दें कि पिछले साल लॉकडाउन के समय भी इसी तरह प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत लोगों को अनाज बांटा गया था.

मिलकर मुकाबला करने की अपील की

प्रधानमंत्री ने कोरोना से निपटने के लिए आज 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की. बैठक में राज्यों के ताजा हालात पर चर्चा हुई. देश में वायरस एक साथ कई राज्यों और टियर 2 और टियर 3 शहरों को प्रभावित कर रहा है, इसे देखते हुए पीएम मोदी ने सामूहिक शक्ति के साथ महामारी से लड़ने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि महामारी की पहली लहर के दौरान भारत की सफलता का सबसे बड़ा आधार हमारा एकजुट प्रयास और एकजुट रणनीति थी, हमें एक बार फिर से एकसाथ मिलकर इसका मुकाबला करना होगा. राज्यों को पूरा सहयोग देने का वादा किया

राज्यों को लड़ाई में सहयोग करने का आश्वासन

दिया और कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सभी राज्यों से लगातार संपर्क बनाए हुए है और वस्तुस्थिति की लगातार निगरानी कर रहा है तथा साथ ही समय-समय पर उन्हें आवश्यक सलाह भी दे रहा है. ऑक्सीजन की आपूर्ति के बारे में राज्यों की ओर से उठाए गए मुद्दों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इसकी आपूर्ति बढ़ाए जाने को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग और मंत्रालय इस दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि औद्योगिक इस्तेमाल में आने वाले ऑक्सीजन का भी चिकित्सीय ऑक्सीजन की जरूरतों के लिए उपयोग किया जा रहा है.

कोरोना संक्रमित पुजारी को कहीं नहीं मिला बेड, असदुद्दीन ओवैसी ने अस्पताल में कराया भर्ती

नई दिल्ली। पूरे देश में महामारी करोनावायरस से कोहराम मचा हुआ है. हर दिन कोरोना मामलों में वृद्धि होती जा रही है. अस्पतालों में संक्रमित मरीजों को दवाई, ऑक्सीजन और समय से इलाज नहीं मिल पा रहा है. देशभर में स्वास्थ्य कर्मचारी दिन रात मरीजों की सेवा में जुटे हुए हैं. वहीं हर दिन अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की खबर सामने आ रही है. हालांकि इस समय भारत के लोग धर्म, जाति भूलकर एक-दूसरे की हर संभव मदद कर रहे हैं. एक ऐसी ही घटना हैदराबाद में देखने को मिली, जहां एक पुजारी को अस्पताल में बेड नहीं मिला तो सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने खुद उनकी मदद की.

यूएई का कोरोना प्रसार पर बड़ा फैसला भारतीय यात्रियों पर 10 दिन की रोक

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी के बढ़ते कहर के बीच एहितियातन कई देश भारत से फ्लाइट सेवा को रद्द करते जा रहे हैं. ब्रिटेन ने तो भारत को रेड लिस्ट में डाल दिया है. इसके पहले हांगकांग अपनी फ्लाइट्स सुविधा को बंद कर चुका है. अब भारत में महामारी की रफ्तार को देखते हुए संयुक्त अरब अमीरात ने बड़ा फैसला लिया है. यूएई ने भारतीय यात्रियों पर 10 दिन के लिए प्रतिबंध लगा दिया है. यूएई का प्रतिबंध 25 अप्रैल से 4 मई तक लागू रहेगा. अभी दो दिन पहले ही ब्रिटेन ने भारत को उन देशों की रेड लिस्ट में डाल दिया है, जिसके तहत गैर-ब्रिटिश और आइरिश नागरिकों के भारत से ब्रिटेन जाने पर पाबंदी रहेगी. साथ ही विदेश से लौटे ब्रितानी लोगों के लिये होटल में 10 दिन तक पृथकवास में रहना अनिवार्य कर दिया है.

ब्रिटेन ने भारत को डाला रेड लिस्ट में–स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने हाउस ऑफ कॉमन्स में इस बात की पुष्टि की. उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में कोरोना वायरस के तथाकथित भारतीय स्वरूप से पीड़ित होने के 103 मामले सामने आए हैं. इनमें से अधिकतर मामले विदेश से लौटे यात्रियों से संबंधित हैं. ब्रिटेन के अलावा पाकिस्तान भी भारत से यात्रा पर दो सप्ताह की रोक लगा चुका है. पाकिस्तान सरकार ने सोमवार को बढ़ते मामलों का हवाला देते हुए कहा कि अगले दो सप्ताह तक वायु और सड़क मार्ग के जरिए भारत से यात्री पाकिस्तान नहीं आ पाएंगे.

धरना हटाने की कोशिश की तो घंटे भर में जवाब, टिकैत की सरकार को धमकी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के बीच आंदोलनरत किसानों को लेकर फिर से आवाजें उठने लगी हैं. कभी ऑक्सीजन की सप्लाई में बाधा के नाम पर तो कभी महापंचायत या धरना स्थल पर कोविड-19 गाइडलाइंस उल्लंघन को लेकर. इनके बीच भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत हरियाणा के रामायण टोल प्लाजा पर किसानों को संबोधित करने पहुंचे. वहां उन्होंने धमकाने वाले अंदाज में कहा कि कर्फ्यू लगाकर सरकार किसानों के आंदोलन को खत्म करना चाहती है, लेकिन सरकार की चालबाजी को किसान समझ चुके हैं और किसान

धरने को मांगें पूरी होने तक खत्म नहीं करेंगे. टिकैत ने कहा कि सरकार पिछले चार दिनों से क्लीन दिल्ली की बात कर रही है, लेकिन सरकार ने किसानों को छेड़ने की कोशिश की तो एक घंटे के अंदर जवाब मिल जाएगा.

अभी भी ऐंठ बरकरार है टिकैत की बताते हैं कि राकेश टिकैत रामायण टोल प्लाज पर घरने पर बैठे किसानों से मुलाकात करने पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने किसानों में जोश भरते हुए कहा कि सरकार किसानों के सबसे बड़े आंदोलन को कुचलने के लिए सभी हथकंडे अपना रही है. उन्होंने कहा कि किसान पूरी तरह से एकजुट हैं और सरकार के तरकीबों को समझते हैं.

ममता बनर्जी का केंद्र पर बड़ा आरोप बंगाल के लिए आवंटित ऑक्सीजन भेज रहा है केंद्र

दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोनावायरस की दूसरी लहर ने भारत में तांडव मचा रखा है. कोरोना की भयंकर तेज रफ्तार से देश में हाहाकार है. कोरोना से हालात दिनों दिन बिगड़ते जा रहे हैं. देश में हर ओर ऑक्सीजन की मांग उठ रही है. ऑक्सीजन की कमी के चलते हर दिन सैकड़ों लोगों की जान जा रही हैं. ऐसे में राज्य सरकारें केंद्र से लगातार ऑक्सीजन का कोटा बढ़ाने की मांग कर रही हैं. इसी बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र पर ऑक्सीजन को लेकर बड़ा आरोप लगाए हैं. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि है कि बंगाल के लिए आवंटित ऑक्सीजन उत्तर प्रदेश भेजा जा रहा है.

एक संवाददाता सम्मेलन में दुर्गापुर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र की बीजेपी की सरकार बंगाल की ऑक्सीजन सप्लाई चेन को उत्तर प्रदेश में भेज दिया है. भाजपा राज्यों में आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखी जा रही है. हमें ऑक्सीजन कहां से मिलेगी? हम भिखारी नहीं है. ममता बनर्जी ने कोविड महामारी की दूसरी लहर के लिए पूरी तरह से केंद्र सरकार को दोषी करार दिया. बता दें कि इस समय देश भर में ऑक्सीजन की कमी से त्राहिमाम मचा हुआ है. हालांकि केंद्र सरकार ऑक्सीजन की किल्लत को दूर करने के लिए एक्शन में भी दिख रही है और राज्यों को कुछ हद तक ऑक्सीजन मिलना शुरू भी हो गया है. हालात इतने गंभीर हो गए हैं, सुप्रीम कोर्ट को खुद इसमें संज्ञान लेना पड़ा है. कोरोना से भयावह होती स्थिति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की और ऑक्सीजन की कमी को लेकर चिंता जताई. सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबड़े ने कहा कि ऑक्सीजन की कमी के कारण लोग मर रहे हैं. फिलहाल कोर्ट ने इस मसले पर सुनवाई को 27 अप्रैल तक टाल दिया है. कोविड से बिगड़े हालात को लेकर सीजेआई एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली अदालत की तीन-न्यायाधीश पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है. शुक्रवार को सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने सुप्रीम कोर्ट से एमकिस क्यूरी से हटने की अनुमति मांगी. हरीश साल्वे ने कहा कि कल से मुझे लेकर हो रही टीका-टिप्पणी और हितों के टकराव जैसा मसला बताए जाने के चलते मैं एमकिस क्यूरी बनने के पक्ष में नहीं हूं. ये बहुत संजीदा मसला है. मैं नहीं चलता कि कोई शक की गुज़ाइश भी रहे. जिसके बाद मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे ने हरीश साल्वे को मामले से हटने की अनुमति दी.

कोरोना संकट पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

सीजेआई बोबड़े बोले-ऑक्सीजन की कमी से मर रहे लोग

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की तेज रफ्तार के आगे देश की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं. दवाई से लेकर ऑक्सीजन तक के लिए हाहाकार मचा हुआ है. हालात इतने गंभीर हो गए हैं, सुप्रीम कोर्ट को खुद इसमें संज्ञान लेना पड़ा है. कोरोना से भयावह होती स्थिति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की और ऑक्सीजन की कमी को लेकर चिंता जताई. सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद (एसए) बोबड़े ने कहा कि ऑक्सीजन की कमी के कारण लोग मर रहे हैं. फिलहाल कोर्ट ने इस मसले पर सुनवाई को 27 अप्रैल तक टाल दिया है.

हरीश साल्वे अब एमकिस क्यूरी नहीं रहेंगे–कोविड से बिगड़े हालात को लेकर सीजेआई एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली अदालत की तीन-न्यायाधीश पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है. शुक्रवार को सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने सुप्रीम कोर्ट से एमकिस क्यूरी से हटने की अनुमति मांगी. हरीश साल्वे ने कहा कि कल से मुझे लेकर हो रही टीका-टिप्पणी और हितों के टकराव जैसा मसला बताए जाने के चलते मैं एमकिस क्यूरी बनने के पक्ष में नहीं हूं. ये बहुत संजीदा मसला है.

अप्रैल के अंत में मौसम ने ली करवट, हिमाचल में बर्फबारी तो चंडीगढ़ में बारिश

नई दिल्ली। गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और अप्रैल महीना खत्म होने वाला है, लेकिन उत्तर भारत में अभी मौसम का मिजाज बदला हुआ है. तपती गर्मी के बाद मौसम ने करवट ली है. उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में जहां बर्फबारी हो रही है तो वहीं मैदानी इलाकों में जगह जगह हल्की पानी की झींटाकसी हो रही है. आज हिमाचल में ताजा बर्फबारी हुई है तो चंडीगढ़ में पानी की बौछारें पड़ी हैं. देश की राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के राज्यों में आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं. हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे मौसम खुशनुमा बना हुआ है. हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी से गर्मी से थोड़ी राहत मिली है. अभी हिमाचल प्रदेश के इलाकों में पर्यटक अपने रिसॉर्ट से बर्फबारी का लुप्त उठा रहे हैं. अप्रैल महीने में भी हिमाचल में बर्फबारी हो रही है. शुक्रवार को राजधानी शिमला के मंधोल गांव में ताजा बर्फबारी हुई. जिसके बाद चारों तरफ बर्फ की मोटी परत बिछ गई. बीते दिन हिमाचल के मध्य पर्वतीय इलाकों में गरज और तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और राज्य में ऊंची जगहों में बर्फबारी के साथ न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम दर्ज किया गया. लाहौल-स्पीति के दूरस्थ जिलों, किन्नौर और चंबा में रात के दौरान हल्की बर्फबारी हुई और सुबह बादल छाए रहे और मौसम बेहद ठंडा रहा.

बोकारो से ऑक्सीजन एक्सप्रेस चली, जल्द पहुंचेगी लखनऊ

ऑक्सीजन लोड ऑक्सीजन एक्सप्रेस का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा- उत्तर प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति हेतु बोकारो स्टील प्लांट से ऑक्सीजन एक्सप्रेस लखनऊ के लिये चल चुकी है.

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की वजह से देश में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मचा हुआ है. ऑक्सीजन की कमी के चलते अस्पतालों में मरीजों के मरने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं. वहीं, देश के सबसे अधिक आबादी वाले प्रदेश उत्तर प्रदेश की हालात बहुत खराब है. राजधानी लखनऊ में ऑक्सीजन की कमी का सामना कर रहा है. उत्तर प्रदेश के अस्पतालों में ऑक्सीन की कमी को दूर करने के लिए भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड और भारतीय रेलवे ने मिलकर काम कर रहे है. बता दें कि सेल के बाकारो स्टील प्लांट से शुक्रवार को दोपहर में करीब 50 टन तरल ऑक्सीजन लोड ऑक्सीजन एक्सप्रेस को उत्तर प्रदेश के लखनऊ के लिए रवाना किया गया. इसकी जानकारी रेलमंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर दी.

पहली बार रेल के माध्यम से ऑक्सीजन की सप्लाई शुरू हुई है

बोकारो स्टील प्लांट में प्रतिदिन 100 टन से ज्यादा तरल ऑक्सीन (मेडिकल ऑक्सीजन) का उत्पादन होता है. यहां से झारखंड के अलावा यूपी, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के लिए ऑक्सीजन की सप्लाई होती है. पहली बार रेल के माध्यम से ऑक्सीजन की सप्लाई शुरू हुई है. पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस शुक्रवार को बोकारो से लखनऊ के लिए चली.

उत्तर प्रदेश में कोरोना से दिनों दिन बिगड़ते हालात

बता दें कि उत्तर प्रदेश में कोरोना से हालात दिनों दिन बिगड़ते जा रहे हैं. बीते 24 घंटे में 195 लोगों ने दम तोड़ दिया है. इसके अलावा 34,379 नए मरीज मिले. वहीं राजधानी लखनऊ में गुरुवार को 5239 नए संक्रमित मिले. इसके साथ ही 19 लोगों ने दम तोड़ा. यहां पर एक्टिव केस अभी भी 54967 हैं. अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद के अनुसार, 34379 नए मामले सामने आने के साथ ही 16514 लोग डिस्चार्ज हुए हैं. राज्य में सक्रिय मामलों की कुल संख्या 259810 हैं. लखनऊ के बाद प्रयागराज में 2013 संक्रमित मिले हैं. यहां पर मौत का आंकड़ा काफी तेजी से बढ़ रहा है. प्रयागराज में 18 लोगों की मौत हो गई. वाराणसी में 1813 संक्रमित मिले जबकि दस लोगों का निधन हो गया. कानपुर में 18 लोगों की मौत हो गई, बीते 24 घंटे में यहां पर 1516 नए संक्रमित मिले हैं.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर...

कोविड केयर सेंटर में मदद के लिए शिक्षकों ने बढ़ाए हाथ

ऑक्सीजन सिलेंडर क्रय हेतु एक लाख रुपये किए डोनेट

रितेश कटरे

बालाघाट। शिक्षक देश का निर्माता और छात्रों का भाग्य विधाता होता है। शिक्षार्थ आइए और सेवार्थ जाइए की भावना को लेकर छात्रों को ज्ञान प्रदान करते हैं। कहते हैं कि शिक्षक सबसे बड़ा दाता होता है। और यह बात आज सत्य हो गई है। बालाघाट जिले के विकासखंड लांजी के कोविड केयर सेंटर में ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी को दूर करने के लिए लांजी ब्लॉक शिक्षा विभाग के समस्त शिक्षकों , अधिकारियों,कर्मचारियों की ओर से 10 ऑक्सीजन सिलेंडर ऋय हेतु एक लाख रुपये की राशि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) आदरणीय रविन्द्र परमार जी को सौंपी गई। ऑक्सीजन सिलेंडर आज प्रातः कोविड सेंटर में उपलब्ध हो जायेंगे।इस अवसर पर दुर्गेश आर्मो एसडीओपी लांजी, रमेश भटेरे जिलाध्यक्ष भाजपा बालाघाट पूर्व विधायक, हीराचंद जी आसटकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य, बी आर गुरदे विकासखंड शिक्षा अधिकारी, के एल बड़गैया विकासखंड स्रोत समन्वयक एवं लगातार दो दिनों तक इस मुहिम को सफल बनाने वाले शिक्षक संगठन के जुझारू शिक्षक साथी आनंद लटारे, गोविंद सोनवाने, श्री अशोक महिश्वरे अध्यक्ष ओल्ड पेंशन संघ, मुरलीधर मेश्राम अध्यक्ष उत्थान मंच , श्री संतोष पटले, कृष्ण कुमार लिल्हारे वित्त प्रभारी उपस्थित थे। इस विपत्ति के समय मे इस महाभियान को सफल बनाने में ब्लॉक के समस्त संकुल प्राचार्यगण, शिक्षकगण भाइयों बहनो का शिक्षक जैनेन्द्र कुमार बेदरे ने हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त किया है। और बताया कि यह अभियान अभी रुकने वाला नहीं है। जो भी शिक्षक साथी एवं अन्य स्वेच्छा से आर्थिक सहायता करना चाहते हैं, कृपया सहयोग जारी रखें। हमारे ब्लॉक या समीप के जो भी साथी वर्तमान संक्रमण से ग्रसित हैं आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हम अपने समस्त साथियों को विश्वास दिलाते हैं कि आपको सारी व्यवस्था इसी कोविड सेंटर लांजी में मिलेगी। शिक्षक संघ ने किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर संगठन को जरूर अवगत कराने का निवेदन किया है।

जिला प्रशासन ने जिले के सभी निवासियों से अपील की

नीरज त्रिपाठी ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी निवासियों से विन्रम अपील की है।

1. जिला प्रशासन ने भिण्ड जिले के सभी निवासियों से अपील की है कि वर्तमान में आयोजित शादी समारोह को, बढ़ते हुए कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये संभव हो तो अपने घर से ही 05-10 लोगों की उपस्थिति में संपन्न करायें। इससे आप स्वयं, परिवार एवं समुदाय को संक्रमण से सुरक्षित रखकर एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज अदा करें।
2. जिला अंतर्गत समस्त नगरीय क्षेत्रों में 30 अप्रैल 2021 सोमवार प्रातः 06 बजे तक पूर्ण कोरोना कर्फ्यू रहेगा उसका अनिवार्य रूप से पालन करें। जिला प्रशासन द्वारा किराने, दूध एवं दवाइयों हेतु द्वारा जारी होम डिलेवरी नम्बरों का उपयोग कर होम डिलेवरी का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें, कम से कम बाहर निकलें।
3. मास्क अनिवार्य रूप से पहने कोरोना संक्रमण से बचने एवं प्रसार रोकने मास्क सबसे महत्वपूर्ण है। मास्क नहीं तो एंट्री नहीं, मास्क नहीं तो बात नहीं, जैसे कदमों का उपयोग करें एवं अपने आस-पास भी मास्क पहनने हेतु जागरूकता लायें।
4. अनावश्यक घर से बाहर ना निकलें बहुत आवश्यक होने पर ही निकलें वो भी पूरी सतर्कता एवं सावधानी के साथ। अपने आसपास भी इस प्रकार की जागरूकता लायें।
5. प्रत्येक मोहल्ला समिति अपने यहाँ 5 मेम्बर्ज को बाजार जाने हेतु चयनित करें। केवल चयनित मेम्बर्ज ही अपने मोहल्ला वासियों की जरूरत की किराने, दूध, आदि वस्तु लाने के लिए बाजार जायें। इससे कम से कम व्यक्ति बाहर निकलेंगे साथ ही जरूरत की वस्तुओं की उपलब्धता भी पूरी होती रहेगी।
6. सोशल डिस्टेंसिंग का सदैव पालन करें एवं ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगह जाने से बचें। हाथों को नियमित अंतराल पर धोते रहें या सेनेटाईजर का उपयोग करें। खुद भी पालन करें एवं दूसरों को भी प्रेरित करें।
7. कोरोना हॉटस्पॉट क्षेत्रों/कुंभ क्षेत्र से जिले में आ रहे व्यक्ति अनिवार्य रूप से खुद को 10 दिन के लिए घर में आईसोलेट/क्वारनटाईन रखें। साथ ही इस हेतु बनाये गये डेडिकेटेड नम्बर 07534-230013 पर भी अपनी जानकारी अनिवार्य रूप से दें। कोरोना के किसी प्रकार के लक्षण जैसे बुखार, साँस लेने में तकलीफ खाँसी आदि होने पर तुरंत अपने नजदीकी फीवर क्लीनिक या जिला अस्पताल में अपना स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से करवायें। खुद भी सुरक्षित रहें दूसरों को भी सुरक्षित रखें।
8. कोविड संक्रमण के संबंधी किसी प्रकार की जानकारी एवं कोरोना संक्रमण संबंधी किसी प्रकार की मदद हेतु डिस्ट्रिक्ट कोविड केयर सेंटर हेल्पलाइन नम्बर एवं कॉल सेंटर पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं 07534-1075, 8349274001।
9. 65 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति, गर्भवती महिलाओं, 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों एवं व्यक्तियों जिनको अन्य गंभीर बीमारी है, को चिकित्सीय प्रयोजन अथवा अतिआवश्यक सेवाओं के अतिरिक्त अन्य कारणों से घर से बाहर ना निकलने की सलाह दी है।

30 अप्रैल तक के लिए बैंकों के समय में हुआ परिवर्तन

नीरज त्रिपाठी ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। बैंको के अग्रणी जिला प्रबंधक भिण्ड एस.के. वर्मा ने बताया कि कोविड-19 द्वितीय लहर को दृष्टिगत रखते हुए गृह मंत्रालय म.प्र.शासन द्वारा बैंकिंग समय में परिवर्तन की अनुमति 30 अप्रैल 2021 तक के लिए दी गई है। उन्होंने कहा कि सभी बैंक प्रबंधक निम्नानुसार बैंकिंग कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। अग्रणी जिला प्रबंधक भिण्ड एस.के. वर्मा ने सभी बैंक आंचलित प्रबंधकों से कहा है कि बैंकों में ग्राहक समय प्रातः10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा, बैंकों द्वारा अत्यावश्यक सेवाऐं जमा निकासी रैमिटेंस एवं सरकारी व्यवसाय जैसा कि कोविड-19 के प्रथम लहर के समय दिशा निर्देश जारी किये गए थे के अनुसार निष्पादित करें। बैंकों द्वारा संचालित आधार सेवा केन्द्र बंद रहेंगे, शाखा/ प्रशासनिक कार्यालय सीमित कर्मचारी के साथ संचालित किए जाऐं। संबंधित बैंक के आंचलिक प्रबंधक अपने कर्मचारी रोटेशन के तहत अल्टरनेंट दिनों में कार्य हेतु निर्देशित करेंगे एवं शाखा द्वारा एटीएम की नगदी की पूर्ण व्यवस्था की जाए। साथ ही ग्राहकों को डिजीटल लेनदेन हेतु प्रोत्साहित किया जाए। सभी जिला समन्वयक/शाखा प्रबंधक उपरोक्तानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। साथ ही केन्द्र सरकार/राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा बैंकों को जारी एसओपी का पालन सुनिश्चित करें।

विवाह उत्सव में 10 लोग ही होंगे शामिल-एसडीएम लहार

लहार(अर्पित गुप्ता)। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते भिण्ड कलेक्टर द्वारा आदेशित किया गया है कि शादी समारोह में 100 व्यक्तियो के शामिल होने की जगह अब 5-5 यानि कुल 10 लोग ही शामिल हो सकेंगे।तो वहीं भोज में 20 बीस से अधिक व्यक्ति सम्मिलित नही हो सकेंगे। सम्बंधित आदेश 23 अप्रैल 2021 से लागू है व लहै अनिविभागीय अधिकारी के ऑफिस के बाहर आदेश को चस्पा किया गया है।

दबोह थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी ने ली रिश्वत, फिर भी नहीं हुई सही कार्यवाहीः फरियादी

(अर्पित गुप्ता)

लहार। वैसे तो पुलिस देश का असली कर्तव्य देशभक्ति जनसेवा है परंतु भिण्ड जिले के अंतर्गत आने वाले लहार अनुभाग के थाना दबोह में नियम ही कुछ और हैं यहां तो रिश्वत दो काम कराओ का फार्मूला चलता है।दरअसल मामला बीते रोज का हैं जहां पर दबोह थानांतर्गत ग्राम बीसनपुरा में एक बच्चों के विवाद के चलते एक बच्चे के गम्भीर चोट आई थी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्यबाही में धारा बढ़ाने को लेकर फ़रियादि से रिश्वत तक ले डाली। बच्चे के पिता गजेंद्र भदौरिया ने बताया कि घटना के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दबोह थाना में पदस्थ उपनिरीक्षक रविन्द्र मांझी ने मुझसे 1000 रुपये की रिश्वत मांगी जिसके एवज में उन्होंने दूसरी पार्टी पर धारा 26 का केश बनाने की बात कही थी।पिता ने बताया कि उन्होने कहा था कि 26 केश में अगर कोई कमी पड़ जाए तब आप मुझसे कहना भदौरिया जी।फरियादी ने बताया कि रुपये देने के बाबजूद भी विरोधी पक्ष के खिलाफ 26 की कार्यवाही नही कि गई और मेरे पैसे भी चले गए और मेरे बेटे की हालत भी गम्भीर है।जिसके चलते उसने दबोह थाने पर मिलीभगत के आरोप भी लगाएं हैं।

थाने में जमकर चल रहा रिश्वत व अवैढ़ बसूली का धंधा–यहां बता बता दें कि थाना दबोह में रिश्वत खोरी हो या अवैध बसूली सभी बड़े हो जोरशोर से

चल रहा है।क्योंकि यहां कुछ समय से अवैढ़ धंधों व रिश्वत का खेल जोरो पर है।विश्वासनीय सूत्रों और आमजनता की माने तो नगर में पनप रहे सभी अवैध गोरख धंधों का ठेका दबोह थाने में ही पदस्थ कार्यवाहक प्रधान आरक्षक नरेश कुशवाहा के पास है और यह इनकी ही देखरेख में चल रहे हैं।कार्यवाहक प्रधान आरक्षक महोदय बाजार में स्टैंड बसूली से लेकर रेत व गांजे व जुए के व्यापार को सुचारू रूप से चलाने के लिए अपनी दुपहिया डिस्कवर मोटरसाइकिल से बसूली करते हैं।सूत्रों की माने तो इस रकम में थाना की कमान संभाले हुए थाना प्रभारी का भी हिस्सा इसमे होता है।यहां बताना मुनासिब होगा कि बीते वर्ष पूर्व भी रेत की अवैध बसूली के मामले में ऑडियो वायरल होने पर तत्कालीन प्रधान आरक्षक पर भिण्ड एसपी द्वारा लाइन अटैच की कार्यवाही की गई थी परन्तु महोदय अपनी सांठ गांठ बनाकर पुनः दबोह थाने में पदस्थ हो गए और पुनः आने अवैध बसूली के धंधे को जोर दे डाला।अब देखना यह है कि जिस तरह से भिण्ड पुलिस अधीक्षक महोदय लगातार कार्यवाहियां कर रहे हैं क्या वह रिश्वत लेने वाले इन उप निरीक्षक महोदय व अवैध बसूली करने वाले प्रधान आरक्षक महोदय पर क्या कार्यवाही करेंगे या फिर यह रिश्वत और अवैध बसूली का धंधा ऐसे ही फलफूलता रहेगा।

इनका कहना

ऐसा कोई मामला अभी तक संज्ञान में नही आया है अगर ऐसा कुछ होता है तो सम्बंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

अविनीश वंसल
एसडीओपी लहार

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए रोको टोको अभियान के तहत दबोह में पुलिस ने लोगों को पहनाए मास्क

कोरोना गाइडलाइन का पालन न करने बालो को शारीरिक दूरी का पालन एवं घरों से कम से कम निकलने की दी समझाइश

दबोह, (अर्पित गुप्ता)। भिंड जिला कलेक्टर सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह के आदेशानुसार एवं लहार एसडीओपी अवनीश बंसल के मार्गदर्शन में दबोह थाना निरीक्षक प्रमोद साहू ने कोरोना गाइडलाइन एवं कर्फ्यू का पालन कराने के लिए दबोह थाना पुलिस चप्पे-चप्पे पर तैनात रही सुबह शाम थाना निरीक्षण प्रमोद साहू ने पुलिस बल के साथ बाजार में बेबजह घूम रहे लोगों को घरों पर रहने की सलाह दी एवं मास्क एवं कोरोना गाइडलाइन का पालन न करने वालों को समझाइश दी जानकारी के अनुसार इस समय भिंड जिले में कोरोना कर्फ्यू लागू है जिसको देखते हुए दबोह थाना पुलिस भी पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है और चप्पे-चप्पे पर तैनात एवं पुलिस समय समय नगर में गश्त दे रही है।

दूसरे दिन भी जारी रहा रोको टोको अभियान–कोरोना संक्रमण की रोकथाम और लोगों को मास्क

पहनाने के लिए रोको-टोको अभियान के तहत दबोह पुलिस की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही दबोह पुलिस ने मास्क नहीं पहनने पर वाहन चालकों व अन्य लोगों को जमकर फटकार लगाई वहीं एक बाइक पर तीन लोगों के बैठने पर नियमों की धज्जियां उड़ा रहे वाहन चालको की गाड़ियां थाना परिसर में रखवाई वहीं दबोह पुलिस रोको-टोको अभियान चलाया साथ ही मास्क पहनने को लेकर हिदायत समझाइश देती नजर आई दबोह थाना निरीक्षक प्रमोद साहू ने लोगों को मास्क पहनने की हिदायत दी साथ ही एक बाइक पर तीन लोगों को बैठा देखकर वाहन चालकों को फटकारा वहीं लोगों को मास्क नहीं पहनने पर चालान करने की चेतावनी दी नगर में पूरी व्यवस्था की जिम्मेदारी दबोह थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक रविन्द्र मांझी, अवनीश शर्मा,अभिषेक चौहान, सतेंद्र गुर्जर, अशोक यादव, रमाकांत राठौर, संजय परिहार आदि को सौंपी गई है उक्त लोगों द्वारा दिन-रात शासन के आदेशों का पालन कराया जा रहा है कई लोगों को प्यार एवं कई लोगों को पुलिसिया भाषा में समझा कर कोरोना गाइडलाइन का पालन कराया जा रहा है।

इनका कहना

आप सभी नगरवासियों से निवेदन है कोरोना गाइडलाइन का पालन करे अपने अपने घरों में रहें सुरक्षित रहें सावधान रहें,मास्क लगाए और हमारा सहयोग करे।

प्रमोद साहू
थाना निरीक्षक दबोह

गायों को पानी पिलाने के लिए मां गायत्री गौशाला द्वारा निशुल्क की जा रही टंकी वितरित

संतोष चौहान स्वयं बनाते है सीमेंट की टंकी

लहार(अर्पित गुप्ता)। नगर में भीषण गर्मी में पीने का पानी न.मिलने के कारण प्यास से व्याकुल गोवंश को बचाने के लिए मां गायत्री गौशाला संचालक सामाजिक कार्यकर्ता संतोष चौहान द्वारा गौशाला में सीमेंट की टंकियां बनाई जा रही हैं नगर में जो लोग टंकी में प्रतिदिन पानी भरने की जिम्मेदारी लेकर बेसहारा गायों की सेवा के इच्छुक है उन्हें टंकी निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है संतोष चौहान ने बताया कि नगर में पीने का पानी ना मिलने के कारण प्यास से व्याकुल होकर छोटे गोवंश की बड़ी संख्या में मौत की दुखद घटनाएं देखकर पानी की टंकी बनाकर सेवाभावी गो भक्तों को निशुल्क वितरण करने का विचार मन में आया और गौशाला में टंकियां बनाने का काम शुरू कर दिया। लगभग 100 टंकी बना कर लहार नगर में निशुल्क वितरण करने का संकल्प लिया है इसके लिए प्रयास जारी है।

कोरोना कर्फ्यू के दौरान खुली पाई गई दुकानों को किया शील्ड

गोहद। नगर में कोरोना कर्फ्यू लगा हुआ है केवल किराना, दूध, सब्जी, फल आदि की दुकानें सुबह 7:00 से 11:00 बजे तक खोलने की अनुमति है इसके अलावा मेडिकल स्टोर व एसेन्सियल सर्विस आदि को छूट प्रदान की गई है। वकाया सभी को कोरोना कर्फ्यू का पालन करना है। परंतु कुछ दुकानदार कोरोना गाइड लाइन का पालन न करते हुए प्रशासन की आंखों में धूल झोंकने का कार्य कर रहे हैं। कई दुकानदार तो दुकान के अंदर ग्राहकों को बुलाकर बाहर से शटर बंद कर अपनी दुकानदारी चला रहे हैं कई के घरों में दुकानें हैं तो वह अपने घर का दरवाजा खोल कर चोरी छिपे सामान बेचने में लगे हुए हैं अधिकांशतः दुकानदार चोरी छुपे दुकानें खोलकर ओने पौने दामों में सामान बेच रहे हैं। इसी को लेकर प्रशासन आज सर्चिंग के लिए बाजार में निकला तो मौ रोड पर एचाया रोड के सामने एक ऑटो पार्ट्स की दुकान एवं दूसरी मोटरसाइकिल रिपेयर की दुकान खुली हुई पाई गई। ऑटो पार्ट्स की दुकान के बोर्ड पर ऋषीश्वर ऑटो पार्ट्स, एवं मोटरसाइकिल रिपेयर की दुकान के ऊपर साईं बाबा सर्विस सेंटर लिखा हुआ था। जब दोनों 2 दुकानदारों ने पुलिस एवं प्रशासन को देखा तो दोनों दुकानें छोड़कर भाग गए प्रशासन ने स्थानीय लोगों के समक्ष पंचनामा बनाकर दोनों दुकानों को सील्ड कर दिया है कार्यवाही के दौरान तहसीलदार रामजीलाल वर्मा, थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह कुशवाह सहित राजस्व विभाग के पटवारी एवं गोहद थाने का पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

विधायक मेवाराम जाटव ने अस्पताल में उपकरण एवं दवाइयां खरीदने के लिए 13 लाख 25 हजार रुपए दिए

गोहद। महानगरों में कोरोना की बीमारी से हाहाकार मचा हुआ है कहीं ऑक्सीजन गैस नहीं है कहीं रेमडिसिवर इंजेक्शन नहीं है कहीं बैड नहीं है। इसी के लिए कई विधायक अपनी अपनी स्वेच्छा निधि से अस्पतालों के लिए उपकरण एवं दवाइयां खरीदने के लिए राशि दे रहे हैं। इसी कड़ी में आज गोहद विधायक मेवाराम जाटव ने रोगी कल्याण समिति की बैठक ली बैठक में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर आलोक शर्मा एवं नगर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। बैठक में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर ने विधायक से 10 ऑक्सीजन सिलेंडर डीटाइप, ऑक्सीजन कन्सेन्टरेटर 10, पल्स ऑक्सीमीटर 20, नॉन टच थर्मामीटर 20, जनरल वार्ड के लिए 6 कूलर, 10,000 मास्क, सैनिटाइजर, रेमडिसिवर इंजेक्शन, एवं अस्पताल के बाहर लगे हुए बोर में सम्बरसीवल

मोटर लगवाने के लिए चर्चा के दौरान मांग की। जिस पर विधायक मेवाराम जाटव ने सहमति दे दी और विधायक स्वेच्छा निधि से राशि जारी करने के लिए कलेक्टर को पत्र भी लिख दिया। इसके अलावा पर्चा काटने दवा वितरण के लिए एक एक अतिरिक्त खिड़की और बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों जगह सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जा सके। तत्पश्चात विधायक मेवाराम जाटव ने अपने लेटर हेड पर 10 ऑक्सीजन सिलेंडर डीटाइप, 10 ऑक्सीजन कन्सेन्टरेटर, 20 पल्स ऑक्सीमीटर, 20 नॉन टच थर्मामीटर यह के लिए 13 लाख 25 हजार रुपए की राशि स्वीकृत कर रोगी कल्याण समिति गोहद के लिए भिंड कलेक्टर के माध्यम से पत्र जारी कर दिया है। अस्पताल में अन्य व्यवस्थाएं भी विधायक निधि से की जाएंगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोरोनो काल में जरूरतमंदों को करवा रहे ब्लड उपलब्ध

श्योपुर। कोरोना काल मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा रक्त कि उपलब्धता के लिये स्वैच्छिक रक्तदान करने कि पहल

को आगे बढाया ताकि कोरोना काल मे रक्त के अभाव मे किसी कि मुत्यु ना हो कोरोना का खतरा बढ जाने के कारण इस समय ब्लड कैम्पों आयोजन संभव नही जिसके कारण ब्लड बैंक श्योपुर मे मरीजों के लिये ब्लड कि पूर्ति करना संभव नही हो पा रहा इसलिए राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ इसके लिये आगे आया है और स्वैच्छिक रक्तदान के लिये लोगों को प्रेरित कर रहा है इसके तहत आज सुरेश राकेश गुर्जर निवासी नन्दापुर ने रामनिवास मीना निवासी कोटरा के लिये रक्तदान प्रेरित होकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। आगे भी जिन्हें भी रक्तदान कि आवश्यकता होगी उसकी पूर्ति के लिये राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के कार्यकर्ता तत्काल उपलब्ध रहेंगे और उनकी व्यवस्था करवाई जायेगी। इस दौरान राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के स्वंय सेवक कौशल शर्मा, विष्णु शर्मा सोई, महावीर जाट आदि मौजूद थे ।

लॉक डाउन कर्फ्यू में चल रहा ग्राहक ओर दुकानदार का लुकाछुपी का खेल, रेडीमेड बाजार में लॉक डाउन में भी दिखाई दी रौनक

सूचना के बाद भी प्रशासन ने नहीं की आमद दर्ज

श्योपुर। कोरोना के चलते श्योपुर नगर में लगाए गए लॉक डाउन कर्फ्यू के बाद प्रशासन ने जहा बाजार बंद किये जाने के निर्देश दिए है वही बिना किसी काम से घर से निकलने पर भी रोक लगाई हुई है। लेकिन देखने मे आ रहा है कि जीवन टॉकीज ओर चूड़ी बाजार में रेडीमेड कपड़ो की दुकानों पर रौनक बनी हुई है जहा रेडिमेड कपड़े की दुकानों पर लुका छिपी का खेल भी खेला जारहा है इतना ही नही शटर बंद कर ग्राहकी करने से भी रेडीमेड कपड़े के व्यापारी परेहज नही कर रहे है। जहा शोशल डिस्टनसिंग के साथ ही कोरोना गाइड लाइन का पालन भी नही किया जा रहा है।भीड़ भाड़ के साथ ही दर्जन भर ग्राहको को दुकान में बिठाकर शटर बंद कर ग्रहाकि की जा रही है। वही मीडिया से बदतमीजी करने से भी बाज नही आरहे दुकानदार मीडियाकर्मी को सरेआम दी जा रही धमकी, वही लॉक डाउन में दुकान खोलेजाने की सूचना के बाद भी मौके पर नही पहुच रहा प्रशासन, दुकानदार ओर प्रशासन की मिली भगत की चर्चाओं का बाजार बना हुआ है गर्म!

विवाह उत्सव में 10 लोग ही होंगे शामिल-एसडीएम लहार

लहार। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते भिण्ड कलेक्टर द्वारा आदेशित किया गया है कि शादी समारोह में 100 व्यक्तियो के शामिल होने की जगह अब 5-5 यानि कुल 10 लोग ही शामिल हो सकेंगे।तो वहीं भोज में 20 बीस से अधिक व्यक्ति सम्मिलित नही हो सकेंगे।सम्बंधित आदेश 23 अप्रैल 2021 से लागू है व लहै अनिविभागीय अधिकारी के ऑफिस के बाहर आदेश को चस्पा किया गया है।

एक नजर...

होम आइसोलेट मरीजों को किया जा रहा है मेडिसिन किट का वितरण

पंकज त्रिपाठी

रतलाम। कोरोना संक्रमण में होम आइसोलेट मरीजों को मेडिसिन किट एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों के प्रति की होम डिलीवरी की जा रही है । शासन के निर्देशानुसार नगर निगम रतलाम द्वारा रतलाम शहर में होम आइसोलेट मरीजों को यह सामग्री प्रदान की जा रही है । निगमायुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि ई दक्ष केंद्र से होम आइसोलेट मरीजों की सूची प्राप्त कर स्वास्थ्य अधिकारी ए. पी. सिंह के निर्देशन में यह कार्य किया जा रहा है । इसके लिए नगर निगम द्वारा वार्ड वार दलों का गठन किया गया है । यह गठित दल होम आइसोलेट मरीजों को घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण कर रहे हैं । इसी प्रकार नगर निगम द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर मालवा ऑक्सीजन इंटरप्राइजेस से लोडिंग वाहन में लोड कर दें एवं मेडिकल कॉलेज रतलाम में लोड करने के लिए 26 कर्मचारियों की विभिन्न पारियों में ड्यूटी लगाई गई है। मेडिकल कॉलेज रतलाम में सुविधा घरों की साफ-सफाई के लिए भी नगर निगम के 24 कर्मचारियों को नियुक्त कर यह कार्य शीघ्रता से किया जा रहा है।

जनपद पंचायत लांजी ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर–सभी ग्राम पंचायत के लिए प्रभारी कलस्टर अधिकारी पंचायत समन्वय अधिकारी को नियुक्त किया गया है, यदि आपको उपरोक्त के अलावा और कोई समस्यायें आती है तो आप निम्नानुसार दूरभाष पर संपर्क कर सकते है। श्री व्ही एस बिसेन - 9407051761 , श्री लेखराम रामटेक्कर - 9424380135 , श्री महेन्द्र सिरामे - 9407313593 , श्री राजेन्द्र तांडेकर - 9407032849 , श्रीमती सुनीता तिवारी - 9669158443, श्री टी एस पुसाम- 9425898760, श्री केएस ठाकुर- 9753869089 । उक्त नंबर पर संपर्क कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। कृपया डरे नही इलाज कराये, मास्क एवं सेनेटाईजर का उपयोग करे, घर में रहे ,सुरक्षित रहे, जनता कर्फ्यू का पालन करे।

अपील/निवेदन

आज रात 8 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक का लॉकडाउन
इस 59 घण्टे के लॉकडाउन को सभी मिलकर सफल बनायें
क्योकि जान है, तो जहान है। अपने लिये न सही
अपने परिवार वालो के लिये इस लॉकडाउन को
सफल बनाने के लिये प्रशासन का सहयोग करे
जरूरत की सारी चीजों का अभी से कर ले इंतज़ाम, ताकि वेबजह घर से बाहर आने का नही बचे काम
अगर किसी समान के रेट कोई दुकानदार(किराना स्टोर, सब्जी बाजार, फल विक्रेता, दूध डेयरी, मेडिकल स्टोर,)ज्यादा पैसे बसूलेगे की कोशिस करे, तो नजदीकी थाने में शिकायत करे
इस महामारी के समय मे काला बाजारी करने वालो पर गंभीर धाराओं में दर्ज हो मुकदमा
परिवार के साथ साथ प्रशासन का भी सहयोग करे

कोरोना संक्रमितों के इलाज में परेशानी

इटावा। जिला अस्पताल में अपर्याप्त संसाधनों के चलते कोरोना संक्रमितों के इलाज में परेशानी हो रही है। इसको लेकर 2 दिनों से अखबारों और न्यूज़ चैनल के साथ सोसल मीडिया पर लगातार खबरे प्रकाशित की जा रही है। इसको देखते हुए सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि जिला अस्पताल में वेंटिलेटर तो हैं, लेकिन उन्हें मरीजों को नहीं दिया जा रहा है क्योंकि इनको चलाने वाले ऑपरेटर नही है जिससे कल से लेकर अब तक 5 मरीज मौत के गाल में समा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये अत्यंत शर्मनाक है, आखिर क्या व्यवस्था है। किसी की जान से खेलने का अधिकार किसी को नहीं है। गोपाल यादव ने कहा कि जिलाधकारी महोदया संज्ञान लें, और जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही करें। हम लोग ऐसे समय मे राजनीति नहीं करना चाहते बल्कि सहयोग करना चाहते हैं, लेकिन अगर बात जनता की जान तक आएगी तो लड़ना पड़ेगा, फिर हम घर नहीं बैठ सकते।

टेलीकन्सलटेशन के माध्यम से जनसामान्य को आयुर्वेद विद्या से चिकित्सा सुविधा कराई जाएगी उपलब्ध

एटा। प्रभारी अधिकारी श्रेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा0 बृजेश कुमार ने अवगत कराया है कि कोविड-19 के संक्रमण के दर में वृद्धि होने के कारण वर्तमान में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में महामारी अधिनियम 1897 एवं आपदा मोचन अधिनियम 2005 लागू कर दिया गया है जिसके क्रम में निदेशक आयुर्वेद सेवायें उ.प्र. लखनऊ द्वारा राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में ओ.पी.डी. के स्थान पर टेलीकन्सलटेशन के माध्यम से जनसामान्य को आयुर्वेद विद्या से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने एवं रोग प्रतिरोधक औषधियों के साथ-साथ अन्य आवश्यक औषधियों को वितरण करने हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होनें बताया कि राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय करतला के चिकित्साधिकारी डा. बृजेश कुमार के मोबाईल नम्बर-9956822379, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय सौंगरा के चिकित्साधिकारी डा0 भूपेन्द्र सिंह के मोबाईल नम्बर-9760554747, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय सराय अगहत के चिकित्साधिकारी डा0 मनोज कुमार दीक्षित के मोबाईल नम्बर-9837524283, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मानिकपुर के चिकित्साधिकारी डा0 अजय कुमार मिश्रा के मोबाईल नम्बर-9927532180, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय धुमरी के चिकित्साधिकारी डा0 विमर्श प्रताप सिंह के मोबाईल नम्बर-7017400438, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय सौंहार के चिकित्साधिकारी डा0 राममोहन मिश्रा के मोबाईल नम्बर-9027841253, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय तरगंवा के चिकित्साधिकारी डा0 अभिजित के मोबाईल नम्बर-7017299202 पर सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

नाम–कवि हरकिशोर परिहार
पिता का नाम– मन्नू लाल परिहार
कार्यालय सहायक श्रेणी प्रथम (सेवानिवृत्त)
म,प्र,म,क्षे,वि,वि,कं लिमिटेड जिला श्योपुर म,प्र,
निवासी–पिछौर जिला शिवपुरी

हाल निवास जिला श्योपुर म.प्र. में हरकिशोर परिहार जिला श्यौपुर से सेवानिवृत्त होने के उपरांत लेखन कार्य मे रुचि होने के कारण मुझे कई हिंदी साहित्य इकाई से सम्मान पत्र मिले हैं और बर्तमान मे हिंददेश परिवार पत्रिका का प्रदेश सचिव वनाया गया हूं मे अब अपनी लेखनी से समाज के प्रति लेख लिखना चाहता हूं कृपया मुझे मार्गदर्शन करने का कष्ट करें।

आपका
कवि हरकिशोर परिहार
जिला श्योपुर म.प्र.

दोहरी चुनौती के बीच पंचायत चुनाव कराने को पुलिस तैयारः आईजी मोहित अग्रवाल

कमिश्नर डा.राजशेखर एवं आईजी मोहित अग्रवाल ने पंचायत चुनाव के मद्देनजर ली वर्चुअल बैठक कहा बेहतर बनाएं सूचना तंत्र

आप सभी को बताते चल रहे है कोरोना कॉल में पंचायत चुनाव व कोविड़-19 के प्रोटोकॉल का पालन करना पुलिस के लिए दोहरी चुनौती है।जिससे निपटने को लेकर कानपुर रेंज की धरती में तैनात,ईमानदार छवि के तेजतर्रार,एनकाउंटर स्पेशलिस्ट,लाखों युवाओ के प्रेरणास्त्रोत,आम जन मानस को अच्छी पुलिसिंग देने वाले, चर्चित आईजी श्री. मोहित अग्रवाल (आईपीएस) जी ने कमर कस ली है। विषम परिस्थितियों में इस चुनौती को स्वीकार करते हुए आईजी श्री.मोहित अग्रवाल जी ने रेंज के सभी पुलिस कर्मियों को मास्क व सेनिटाइजर उपलब्ध कराने के साथ लोकतंत्र के इस महापर्व को शांति व निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की अपेक्षा पुलिसकर्मियों से जताई है।उन्होंने स्वयं ऑफ परिवार को सुरक्षा के अनावश्यक किसी को पकड़ने की हिदायत देते हुए सम्पर्क में न आने के टिप्स भी पुलिस कर्मियों को दिए है। सुरक्षा ही बचाव है का मूल मंत्र देते हुए आईजी श्री.मोहित अग्रवाल (आईपीएस) जी ने कहा यूपी पुलिस ने बहुत से चैलेंज स्वीकार किए है और उसमे पास भी हुए।ऐसे में पंचायत चुनाव व कोविड़-19 दोहरी चुनौती को स्वीकार करते हुए पुलिसकर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए निष्पक्ष चुनाव कराने के साथ कोविड़-19 प्रोटोकाल का भी पालन कराएंगे अतिसंवेदनशील प्लस संवेदनशील व संवेदनशील मतदान केंद्रो पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी,वही

कानपुर मण्डल के ईमानदार छवि के विकास पुरुष,आयुक्त डा.राजशेखर(आईएएस)जी ने समीक्षा बैठक कहा कि चुनाव सम्बन्धित सभी व्यवस्थायें दुरस्त कर ले,मतदान केन्द्रों पर बिजली, पानी,छाया इत्यादि की व्यवस्था है कि नही इसको भली प्रकार देख ले,जहां पर वोटर अधिक है वहां एसडीएम को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी जाये,आयोग के निर्देशों का पूर्णतया पालन करते हुए कोविड-19 के संक्रमण से बचाव का भी सम्पूर्ण इन्तजाम सुनिश्चित कर ले,इसके साथ ही उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय को निर्देशित करते हुए कहा कि विकास भवन में कन्ट्रोल रूम सदैव सक्रिय रहे,कन्ट्रोल रूम के नम्बर का मीडिया के द्वारा प्रचार किया जाये, साथ ही लोग गलत शिकायत न करे और न ही कोई भ्रम पैदा करे इस बात को भी सुनिश्चित किया जाये, क्योकि इससे सरकारी कार्यो में बाधा पड़ती है। कानपुर देहात के जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सम्पूर्ण व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारे यहां पर्याप्त बैलेट पेपर और पर्याप्त बैलेट बाक्स है,मतदेय स्थलों पर पानी,छाया,रैम्प इत्यादि की सारी व्यवस्थाऐं है,आने जाने वाले रास्तों,पुलों इत्यादि को दुरस्त कर लिया गया है, साथ ही कोविड संक्रमण के बचाव की सारी व्यवस्थायें पूर्ण कर ली गयी है,दिव्यांग मतदाताओं के लिए दिव्यांग मित्र को नियुक्त किया गया है जिससे उन्हें किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो,वहीं आईजी रेंज के पूछने पर पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चैधरी ने बताया कि बूथों पर मानक के अनुसार हमारे पास पर्याप्त सैन्य बल है, साथ ही प्रत्येक थाने और चैकी को मोबाइल के रूप में तब्दील कर दिया है जिससे उनकी उपलब्धता हर समय बनी रहे, सम्पूर्ण शस्त्र जमा करा लिये गये है, गैगेस्टरों के ऊपर कार्यवाही की जा रही है,कुछ असामाजिक तत्वों को जिला बदर भी किया गया है,आईजी जोन ने निर्देशित करते हुए कहा कि अति संवेदनशील,अति संवेदनशील प्लस स्थलों को चिन्हित कर वहां के क्रिमनल रिकार्ड के व्यक्तियों की पहचान कर उनके शस्त्र को अवश्य जमा करा लिया जाये, ड्यूटी कार्ड कार्ड सभी को वितरित किये जाये,साथ ही सभी पुलिस कर्मी ग्लब्स और मास्क लगाकर ही ड्यूटी करें,लोगों को भगदड़ से बचाने के लिए मतदान की व्यवस्थाओं से उन्हें पूर्णतया विश्वास में लिया जाये,कुल मिलाकर हमारा उद्देश्य है पंचायत चुनाव को निष्पक्ष और शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराना,ताकि लोकतन्त्र को एक मजबूत आधार मिल सके।

पीटीएस में 23 अप्रैल से कोविड केयर सेन्टर प्रारम्भ होगा

शुरूआत में 100 बेड रहेंगे, इसके बाद धीरे-धीरे क्षमता बढ़ाई जायेगी

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ दैनिक पुष्पांजली टुडे

उज्जैन। पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज मक्सी रोड में जिला प्रशासन द्वारा सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से कोविड केयर सेन्टर 23 अप्रैल से प्रारम्भ किया जा रहा है। यहां की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन आज मीडिया को कराया गया। इस अवसर पर विधायक पारस जैन, कलेक्टर आशीष सिंह, पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार शुक्ल, आईएमए के डॉ.कात्यायन मिश्र, समाजसेवी रवि सोलंकी एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

विधायक पारस जैन ने इस सम्बन्ध में बताया कि समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से यह कोविड केयर सेन्टर प्रारम्भ किया गया है। यहां पर ऐसे मरीजों को रखने एवं उनके समुचित उपचार की व्यवस्था की जायेगी, जिनके घरों में पृथक से क्वारेंटाईन में

रहने की व्यवस्था नहीं है। विधायक श्री जैन ने सामाजिक संस्थाओं एवं सक्षम लोगों से सेवा के इस कार्य में जुड़ने की अपील की है। संस्थाएं ऑक्सीजन कांसंट्रेटर व राशि का दान कर सकती हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज में आने वाले समय में कोविड केयर सेन्टर में 900 बेड की व्यवस्था करने की योजना है। 24 अप्रैल से यहां 100 बेड प्रारम्भ किये जा रहे हैं। इस सेन्टर के संचालन में आईएमए द्वारा सहयोग किया जा रहा है। प्रायवेट डॉक्टर यहां अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने बताया कि यहां सामान्य लक्षणों वाले कोविड पॉजीटिव मरीजों को रखा जायेगा। साथ ही इस सेन्टर पर ऑक्सीजन कॉसंट्रेटर की सुविधाएं भी दी जा सकेंगी। निकट भविष्य में यहां पर एयर सेपरेशन मशीन लगाकर ऑक्सीजन बेड स्थापित किये जायेंगे। समाजसेवी रवि सोलंकी ने बताया कि उद्योगपतियों एवं व्यापारियों द्वारा उज्जैन सिटीजन फोरम के माध्यम से यहां पर 50 लाख रुपये लागत का ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिसकी क्षमता तीन हजार लीटर प्रतिघंटा ऑक्सीजन देने की रहेगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जप लांजी ने आमजन से की अपील

रितेश कटरे ब्युरो

बालाघाट। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लाजी ने क्षेत्रान्तर्गत समस्त नागरिको से अपील की है कि वर्तमान में कोरोना संक्रमण अत्यंत तेजी से फैल रहा है। तथा प्रायः देखा जा रहा है कि जिन व्यक्तियों में प्रारंभिक लक्षण दिखाई दे रहे है/ समझ आ रहे है। वे अपना स्वास्थ्य चेक नही करा रहे है?। फेंफड़ों में संक्रमण ज्यादा बढ़ने की स्तिथि में 10 से 15 दिवस पश्चात वह अस्पताल की ओर रूख करता है। साथ ही अन्य व्यक्तियों को भी प्रभावित करता है ऐसे में आवश्यक सेवाएं समय पर नही मिल पाती है, एवं अनेक कठिनाईयों का समाना उठाना पड़ता है। कृपया ऐसा ना करे अपने परिवार को मुसीबत में ना डाले। जबकि आजकल घर घर सर्वे कर आशा, एएनएम दल द्वारा सर्दी, खांसी ,बुखार वाले ग्रामीणों का सर्वे किया जा रहा है। दल से सहयोग करे सही जानकारी उपलब्ध करवाएं। ज्ञात हो

कि वर्तमान में कोरोना संक्रमण हवा में भी फैल रहा है। अतः मास्क का उपयोग अनिवार्य रूप से करना है। जनपद सीईओ ने कहा कि जैसे ही प्रारंभिक लक्षण सर्दी, खासी, बुखार समझ आने लगे आप तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर चिकित्सक की सलाह लेवे या सर्वे दल को अवगत करवाए । आपको उचित वा पर्याप्त मार्गदर्शन देने के लिए चिकित्सक दल उपलब्ध है। चिकित्सक के दिये निर्देशों का पालन करे। जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत पंचायतों में लगभग 650 लोगो को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा चेक किया गया है। जिनमे से प्राप्त जानकारी अनुसार 241 लोग संदिग्ध पाए गए है 74 लोगो के टेस्ट हेतु भेजे गए है। 203 लोग होम आइसोलेटेड है। अभी तक कुल 229 लोग पॉजिटिव है। इन 229 में से जो आमजन संक्रमण का स्तर काफी फैलाने के बाद हॉस्पिटल आए उन्हे ही स्वास्थ्य लाभ नही मिल सका अन्यथा की स्तिथि में रिकवरी दर काफी अच्छी स्तिथि में है। स्वास्थ्य टीम द्वारा लगातार स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जा रहा है।अतः साथ देवे। पॉजिटिव केस लगातार बड़ रहे है। प्रारंभिक लक्षण में घर पर इलाज मिलेगा तो व्यक्ति जल्दी स्वस्थ होगा।

लोगों की सामाजिक सुरक्षा ही हमारी पहली प्राथमिकता : कृष्णेन्दु मुखर्जी

अमन राय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर नजर पूरे देश की है.एक-एक कर 6 चरण हो चुके हैं सातवें चरण के लिए 26 तारीख को मतदान होना है. इसके लिए सभी उम्मीदवारों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. आसनसोल उत्तर विधानसभा के भाजपा उम्मीदवार कृष्णेन्दु मुखर्जी भाजपा कार्यकर्ताओं के संग दिन रात पसीना बहा रहे हैं. वह क्षेत्र के लोगों से उनके घर जाकर अपने लिए वोट मांगे. इस दौरान बहुत सारे लोगो ने स्थानीय समस्याओं के बारे में भी उन्हें बता रहे हैं. कृष्णेन्दु मुखर्जी का कहना है लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है. टीएमसी ने पिछले 10 सालों में लोगों के संग जो धोखा किया है लोग अब उसे जान गए हैं. तृणमूल की हार निश्चित है. बीजेपी की सरकार बनते ही लोगों की मूलभूत समस्याओं से निपटने के लिए बल दिया जाएगा. कृष्णेन्दु मुखर्जी के समर्थन में भाजपा के कई बड़े नेताओं ने रोड शो की है.इस दौरान भारी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता एवं समर्थक दिखे. कृष्णेन्दु मुखर्जी का मुकाबला कहां जा रहा है मलाई घटक के संग है. मलाई घटक यहां से पिछले बार भी जीत हासिल की थी इस बार भी जीत का दावा कर रहे हैं. जीत किसके पाले में होगी इसके लिए तो हमें 2 मई तक इंतजार करना पड़ेगा फिलहाल तो इस केंद्र में राजनीतिक चर्चाएं काफी तेज है.

नगर निगम जोन 6 की लापरवाही

लखनऊ। हुसैनाबाद वार्ड के अंतर्गत आने वाला वार्ड मोहल्ला गेंद खाना और रामगंज का बॉर्डर है। नाला जिसकी नहीं होती वक्त पे सफाई जिसमें भरा है कूड़ा जिसमें आती है बदबू लेकिन ज़ोन 6 के अधिकारी और कर्मचारी कूड़ा को निकाल कर बाहर छोड़ देते हैं और कूड़े का ढेर उठाने नहीं आते इस महामारी के बीच इस गंदगी को देखते ज़ोन 6 के कर्मचारी और अधिकारी सरकार के स्वच्छता अभियान को ठेंगा दिखाते नजर आ रहे हैं।

कोविड अस्पताल में बेहतर व्यवस्था बनाने सामाजिक संगठन कर रहे दान

रितेश कटरे ब्युरो चिफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। बालाघाट जिले की लांजी तहसील में कोरोना महामारी से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। क्षेत्र में जिस रफ्तार से कोरोना से संक्रमित मरीजों का ग्राफ बढ़ते जा रहा है, उसी रफ्तार से लोगों को बीमारी से बचाने के लिए राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग और नगर के समाज सेवकों के द्वारा हर संभव मदद कार्य किए जा रहे है। अस्पताल में भर्ती मरीजों की व्यवस्था बनाने हेतु नगर के समाजसेवकों के द्वारा रोजाना भोजन की व्यवस्था कराई जा रही है। मरीजों के लिए ऑक्सीजन की व्यवस्था बनाने हेतु रिफिलिंग कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही अन्य ऐसे आवश्यक कार्य किए जा रहे है, जिससे अस्पताल में भर्ती मरीज को व्यवस्था प्राप्त हो सके। इसके अलावा नगर के कुछ सामाजिक संगठन, शासकीय संगठन एवं सामाजिक कार्यकर्ता के द्वारा अस्पताल में व्यवस्था के लिए सहयता राशि भी दान की जा रही है जिससे प्रशासन के द्वार अस्पताल में गर्म पानी की मशीन, भाप लेने की मशीन, ऑक्सीमीटर एवं महत्वपूर्ण दवाइयां मंगाई जा रही है। इसी संदर्भ में कोविड अस्पताल में और अधिक व्यवस्था बनाने के लिए 23 अप्रैल को रेस्ट हाउस में बैठक आयोजित की गई । जिसमे शासकीय संगठनों के द्वारा अस्पताल में मरीजों के लिए व्यवस्था बनाने हेतु सहायता राशि भेट की गई है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश भटेरे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रविंद्र परमार, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दुर्गेश आर्मो, तहसीलदार आरपी मार्को, भाजपा मंडल अध्यक्ष आलोक चौरासिया, शासकीय शिक्षक संघ के सदस्य एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासकीय शिक्षक संघ ने दी 1 लाख रुपए की सहायता राशि–शासकीय शिक्षक संघ विकासखंड लांजी के द्वारा कोविड अस्पताल में मरीजों के लिए

शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संगठनों ने बढ़ाए मदद के हाथ

ऑक्सीजन सिलेंडर क्रय करने हेतु 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी गई है। 23 अप्रैल को प्रशासन की बैठक के दौरान ब्लॉक शिक्षा विभाग के समस्त शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से 10 ऑक्सीजन सिलेंडर क्रय हेतु एक लाख रुपये का चैक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रविन्द्र परमार को सौंपा गया। शिक्षक संघ का कहना है की इस सहायता राशि से ऑक्सीजन सिलेंडर आज कोविड सेंटर में उपलब्ध हो जायेंगे। शिक्षक संघ की ओर से सहायता राशि देने के दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी बी आर गुर्दे,विकासखंड स्रोत समन्वयक के एल बड़गैया, आनंद लटारे, गोविंद सोनवाने, जैनेन्द्र कुमार बेदरे, अशोक महिश्वरे, मुरलीधर मेश्राम, संतोष पटले, कृष्ण कुमार लिल्हारे उपस्थित रहे।

अस्पताल में भर्ती मरीजों को बेहतर से बेहतर सुविधा मुहैया कराना हमारा प्रयास- रमेश भटेरे जिलाध्यक्ष भाजपा–कोविड -19 केयर सेंटर लांजी अस्पताल के संचालन हेतु क्षेत्र के अलग-अलग संस्थाओं द्वारा सहयोग किया जा रहा है। आपने बताया कि आपके पुज्य पिता जी स्व श्री दिलीप भटेरे की पुण्यतिथि 6 मई को है। इस तिथि पर पिछले वर्ष भी लॉक डाउन के चलते 5000 लोगों को राशन देने का काम किया था। और इस वर्ष अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति हेतु 1 लाख अनुविभागीय दंडाधिकारी महोदय को दान किया है। साथ ही अध्यापक लांजी क्षेत्र के सभी शिक्षकों ने थोड़ा थोड़ा योगदान करके 1 लाख रुपये का सहयोग किया है। लंजकाई मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष हीराचन्द आसटकर ने ट्रस्ट के द्वारा 1 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। रायसिंग एंड कंपनी की ओर से भी 51 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई है। राजस्व एसडीएम, तहसीलदार, पटवारियों के द्वारा भी 1 लाख की राशि प्रदान की गई है। जनपद पंचायत के द्वारा भी 1 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई है। इस तरह से विभिन्न विभिन्न संस्था द्वारा कोविड अस्पताल को सहयोग राशि देने का काम कर रहे हैं। पूर्व सरपंच योगेश रामटेक्कर भी 1 लाख रुपये की राशि देने का काम किया है। सभी लोग इस संकट की घड़ी में अपनी मानवता का परिचय देते हुए महान काम कर रहे हैं, जन सहयोग कर रहे हैं । इसकी जितनी तारीफ करें उतना कम है। समय विकराल है। बहुत ही विकट समय है। ऐसे समय में धन की भी आवश्यकता पड़ती है सरकार भी सहयोग कर रही है। इस बीच में जन सहयोग भी जरूरी है। इसी के चलते जन सहयोग हो रहा है। प्रशासन और हमारा भरपूर प्रयास और उद्देश्य है कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को बेहतर से बेहतर सुविधा मुहैया कराए।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

सम्पादकीय

संसाधनों की हिफाजत

एक तरफ, जब देश में कोविड-19 के कारण रोजाना 1,500 से अधिक लोगों की जान जाने लगी है; कई राज्यों से टीके के अभाव की शिकायतें सुनने को मिल रही हैं, तब यह उद्घाटन सचमुच हतप्रभ कर देने वाला है कि 11 अप्रैल तक देश में टीके की 44.5 लाख से अधिक खुराकें बरबाद हो गईं। एक आरटीआई के जरिए यह खुलासा हुआ है कि उस दिन तक तकरीबन 23 फीसदी खुराक बेकार हो गई। हैरत की बात है कि ऐसा उन राज्यों में सर्वाधिक हुआ, जो इस वक्त महामारी से हलकान नजर आ रहे हैं। राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, हरियाणा जैसे प्रदेशों के नाम इस सूची में ऊपर हैं। यह सूचना हमारी विशाल आबादी के लिहाज से भी काफी चिंताजनक है। हम अभी तक अपनी आबादी के एक प्रतिशत से कुछ ही अधिक लोगों का पूर्ण टीकाकरण कर सके हैं, जबकि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देश क्रमशः 25 व 15 फीसदी से आगे बढ़ चले हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी उत्पाद की वितरण-प्रणाली में कतिपय कमियों के कारण कुछ हद तक नुकसान की आशंका रहती है। अमेरिका में भी पहले चरण के टीकाकरण अभियान में नुकसान हुए थे, लेकिन हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की कुल आबादी हमारी जनसंख्या की एक चौथाई के करीब है। हमारे लिए हानि की यह मात्रा इसलिए ज्यादा चुभने वाली है कि हमें महामारी से जंग में लंबी दूरी तय करनी है। अपने संसाधनों का इस्तेमाल हमें काफी किफायत से करने की जरूरत है। तब तो और, जब देश के कई अस्पतालों से ऑक्सीजन न मिलने के कारण कोविड मरीजों के दम तोड़ने की खबर सुर्खियों में हों। यहां तक कि हाईकोर्ट को कहना पड़ रहा है कि 'उद्योग ऑक्सीजन का इंतजार कर सकते हैं, पर कोविड मरीज नहीं।' केंद्र सरकार ने उचित ही नौ औद्योगिक क्षेत्रों में ऑक्सीजन-आपूर्ति की सीमा तय कर शेष को चिकित्सा उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है। कोविड-19 से संघर्ष में इस वक्त हम जिस मोड़ पर खड़े हैं, उसमें अब किसी कोताही के लिए कोई जगह नहीं है, बल्कि वह जनता ही नहीं, पूरी मानवता के प्रति आपराधिक लापरवाही कहलाएगी। देश में टीकाकरण अभियान की शुरुआत से पहले बाकायदा कई अभ्यास किए गए थे, इसका प्रोटोकॉल तय हुआ था, उसके बावजूद यदि यह स्थिति है, तो हमें अपने निगरानी तंत्र पर गौर करने और बगैर वक्त गंवाए उसे दुरुस्त करने की दरकार है। राज्य सरकारों को भी अपनी कार्यशैली पर ध्यान देने की जरूरत है। आखिर अनेक राज्यों, मसलन केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल, मिजोरम, गोवा ने नजीर पेश की ही है। इन राज्यों में कोई खुराक बरबाद नहीं हुई। केंद्र-राज्यों में तकरार और गिले-शिकवे संघीय लोकतंत्र का अनिवार्य हिस्सा हैं, मगर कुछ विषय इससे परे होते हैं और इसके लिए बड़प्पन की मांग सभी पक्षों से की जाती है। देश के नागरिक इस समय तकलीफ में हैं, तो ऐसा कुछ भी नहीं होना चाहिए, जिससे उनकी पीड़ा दोहरी हो जाए। लोग गम जज्ब कर लेते हैं, अगर उन्हें यह दिखता है कि मददगारों ने अपने तईं ईमानदार कोशिश की थी। इसलिए जीवन रक्षक संसाधनों की बर्बादी, कालाबाजारी को केंद्र और राज्यों को हर हाल में रोकना ही होगा।

कोरोना : डर के आगे जीत है, हम जीतेंगे

आसिया फ़ारूक़ी

पिछले एक साल से देश-दुनिया पर एक अदृश्य वायरस कोविड -19 ने डर जमाया हुआ है। इस बार वह नये और भयंकर विनाशकारी रूप में आया है।बच्चे, वयस्क और बूढ़े सभी भयग्रस्त हैं, पस्त हैं। ऐसा कोई घर-परिवार नहीं बचा जहां कोई बिहार न हो। बुखार, खांसी, सीने में जकड़न, सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण देखते ही लोग परेशान हो रहे हैं। और एक अज्ञात डर उनके दिलों में गहरे बैठ रहा है कि अब क्या होगा? बाहर अस्पतालों में भीड़ है, बेड नहीं मिल रहे तो कहीं आक्सीजन का अभाव है। रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए मारामारी है। लोग एडवांस में इंजेक्शन और आक्सीजन बॉटल का इंतजाम कर रहे हैं। इस डर का फायदा उठाकर मुनाफाखोर चांदी काट रहे हैं। पिछले परिवेश में एक हाहाकार मचा हुआ है। कहीं कोई धैर्य, संतुष्टि, निर्भयता दिख ही नहीं रही। ऐसा लगता है कि जैसे सब कुछ नष्ट होने वाला है। स्मरण रखना होगा कि आज से पहले भी हम अपनी ज़िंदगी मे कई बार बीमार हुए हैं पर डॉक्टर से दवा लेकर या घरेलू नुस्खों से ठीक हो गये हैं। आज हमारे देश मे कोरोना से हज़ारों मौतें हो रही है, कोरोना के मरीज बढ़ते ही जा रहे हैं। यह एक चिंता का विषय है। लोग घबरायें हैं।सहमे बैठे हैं। हर तरफ़ मौत का भयानक मंज़र है। श्मशानों में शव आते जा रहे हैं। दिन रात चिंताएं धधक रही हैं। बहुत मुश्किल वक़्त है। ऐसे संकट के नाज़ुक दौर में घबराने से कुछ नहीं होगा। ज़िंदा रहने का जज़्बा बाक़ी रखना है। पैनिक नहीं होना है, डरना भी नहीं हैं। कोरोना के लक्षण लगें तो भी डरें नहीं , डर पर ही क़ाबू पाना है। बदन में तेज़ दर्द भी होगा। फीवर भी होगा। कमज़ोरी बहुत हो जायेगी। फिर भी कोरोना को कुछ मत समझिये। इसे तुच्छ मानिये वरना ये हम सब पर हावी हो जाएगी। डरना नहीं है, डर ही एक मात्र ऐसी चीज़ है जो हमारी इम्युनिटी को कम कर देती है। यानी डर ज़्यादा तो इम्युनिटी कम । दिमाग़ में डर नाम की कोई चीज़ न रखें।आप निडर हो जाय तब देखियेगा आपकी इम्युनिटी उतनी ही तेज़ी से बढ़ेगी। हमारी इम्युनिटी अच्छी है तो वायरस हमला भी करेगा तो हमको पता भी नहीं चलेगा। हमें अपने आप को ये विश्वास दिलाना है कि ये वायरस हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। हमें घर पर ही रहकर योग और प्राणयाम करके पूरी तरह स्वस्थ रहना है। योग से पूरा शरीर स्वस्थ रहता है। रोग प्रतिरिधक क्षमता बढ़ती है, साथ ही श्वसन तंत्र भी मज़बूत होता है। इसके साथ-साथ घर पर सभी सदस्यों के साथ हंसते-बोलते मनोरंजन करते हुऐ दवा लेनी है।   घर पर रहें सुरक्षित रहें। यह दौर भी ख़त्म हो जाएगा। हर कठिनाई कुछ राह ही दिखा देती है। यह राह है सकारात्मकता की, निर्भयता की। हम कोरोना से जीतेंगे, जरूर जीतेंगे क्योंकि डर के आगे जीत है।

राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका
फ़तेहपुर (उ.प्र.)

राष्ट्र के सामने आया पूरी क्षमता दिखाने का मौका

हम चिकित्सा और वित्तीय मोर्चे पर युद्ध का सामना कर रहे हैं। एक सफल युद्ध छेड़ने के लिए हमें पूरी राष्ट्रीय क्षमता का लाभ उठाना होगा। नेताओं को संसाधनों, ऊर्जा और मानसिकता के बीच तालमेल बिठाते हुए फैसले लेने होंगे। शिथिलता को संवाद, निवेदन और समन्वय की एक शृंखला के माध्यम से दूर करना है। हमारा प्रौद्योगिकी विकास संसाधन के वितरण से जुड़ी समस्याओं को हल करने में मदद कर सकता है। अभी हमारी चुनौती संसाधनों की कमी नहीं है, लेकिन संसाधनों को जरूरतमंदों तक पहुंचाने में जो कमियां रह जा रही हैं, उन्हें दूर करने की क्षमता चाहिए। अगर कोरोना के खिलाफ युद्ध लड़ना है, तो हमें युद्ध के 10 सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। पहला सिद्धांत, स्वास्थ्य और वित्तीय संकट से लड़ने के लिए हमारा एक सुनिश्चित उद्देश्य होना चाहिए। युद्ध जैसे हालात में लिए गए फैसले सभी को कभी संतुष्ट नहीं कर सकते, इसलिए राजनीतिक मेधा की जरूरत है। दूसरा, मनोबल बनाए रखा जाए। इसके तीन तत्व हैं। नागरिकों को सच्ची तस्वीर दिखाई जाए, चाहे वह कितनी भी गंभीर हो; संकट से बाहर निकलने की राह का नक्शा दिखाया जाए; और विश्वास दिलाया जाए कि जीत जल्दी मिलेगी। तीसरा, आक्रामक कार्रवाई, या व्यावहारिक कदमों की एक शृंखला होनी चाहिए, जो पहल का पूरा लाभ उठाए, तेजी कायम रखे और हमें मजबूत स्थिति में पहुंचाए। संसाधनों को अबाध रूप से आवंटित किया जाना चाहिए। जो शहर रणनीतिक, वित्तीय और औद्योगिक हब हैं, उन्हें पहले सुरक्षित करने की जरूरत होगी। यदि वे विफल होते हैं, तो बाकी सब ढह जाएगा। चौथा, सुरक्षा अर्थात एक ऐसा माहौल बनाना, जिसमें ठीक से काम किया जा सके। ऐसी सुरक्षा, जो उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में काम करने की जरूरी आजादी दे। विशेष रूप से जीवन-रक्षक संसाधनों की आपूर्ति और मांग में असंतुलन नैतिक व भौतिक भ्रष्टाचार

को जन्म देता है। संसाधन संबंधी किसी रुकावट, नौकरशाही बाधा, उदासीनता या लालच की वजह से युद्ध बिगड़ता है। जब युद्ध हो, तो सभी निर्माण इकाइयां युद्ध सामग्री के उत्पादन में लग जाती हैं। कोरोना के खिलाफ ऐसे ही युद्ध का समय है। पांचवां सिद्धांत- आश्चर्य- यह इस मामले में विपरीत रूप से काम करता है। किसी फैसले के बाद सोच का दूसरा और तीसरा चरण भी होना चाहिए, ताकि आश्चर्य कम से कम हो। उदाहरण के लिए, लॉकडाउन के बाद प्रवासियों के पलायन को रोकने के हर निर्णय के अनपेक्षित परिणाम हुए थे। युद्धकाल में हमें निर्णय अक्सर एक गलत और दूसरे कम गलत के बीच करना पड़ता है। कोरोना से लड़ने वाली टीम को प्रमुख निर्णयों के निहितार्थों का मूल्यांकन करना चाहिए। ऐसी टीमों में हर मंत्रालय और कॉरपोरेट क्षेत्र से जुड़े कल्पनाशील विचारकों को शामिल किया जाना चाहिए। छठा, बलों की एकाग्रता। टीकाकरण के लिए फ्रंटलाइन वर्कर को प्राथमिकता देना इस सिद्धांत का एक उदाहरण था। नेता अक्सर अपने संसाधनों को बहुत कम दायरे में बांटते हैं, इसलिए वे निर्णायक प्रभाव नहीं डाल पाते हैं। सातवां सिद्धांत, कोशिश की अर्थव्यवस्था, हमेशा यह मानती है कि युद्ध में संसाधन कम पड़ेंगे और इसलिए हर कोशिश को उसके मुकाम पर पहुंचाना चाहिए। इसका मतलब है, अपव्यय, कोल्ड-चेन स्टोरेज पर सख्त नजर रखना और यह सुनिश्चित करना कि कम से कम देरी में सुविधाएं एवं सेवाएं लोगों तक पहुंचें और व्यवस्था पर कम से कम दबाव पड़े। आठवां, लचीलापन। एक बार जब समग्र रणनीति बन जाती है, तो उसका क्रियान्वयन पर्याप्त शक्ति और जांच-परख के साथ होना चाहिए। नौवां, सहयोग। इसमें मिलकर काम करना और युद्ध के हर पहलू में बोझ, जोखिम और अवसरों को साझा करना शामिल है। अंतिम सिद्धांत है स्थिरता। इसके तहत उन साधनों को बनाए रखना है, ताकि लड़ने की शक्ति कायम रहे और कार्रवाई की स्वतंत्रता भी। आर्थिक मोर्चे पर यह बड़ा विषय है। आर्थिक मोर्चा इंजन है, वह चलेगा, तो ही महामारी के खिलाफ युद्ध तेज होगा। युद्ध के ये सिद्धांत हमें एक रोड मैप देते हैं। युद्ध राष्ट्र के लिए एक मौका होता है, आंतरिक कमियों के बावजूद अपनी पूरी क्षमता दिखाने का मौका।

हम कब बदलेंगे घंटों तक काम करने की परिपाटी

अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने करीब 90 साल पहले इकोनॉमिक्स पॉसिबिलिटीज फॉर आवर ग्रैंडचिल्ड्रेन शीर्षक से प्रकाशित लेख में यह भविष्यवाणी की थी कि आने वाले वर्षों में लोग हफ्ते में महज 15 घंटे काम कर सकते हैं। आज पोते-पोतियों का वही दौर है, और हर कोई कीन्स के अनुमान से कम-से-कम तीन गुना अधिक समय तक काम करने को मजबूर है। वैसे, कीन्स को क्यों दोष दें? तकनीक और उत्पादकता में तरक्की के साथ-साथ इंसानों के कम काम करने संबंधी भविष्यवाणियां इस सदी में भी होती रही हैं। मगर दुनिया भर के अध्ययनों से यही पता चलता है कि निम्न व मध्यम आय वाले देशों में नौकरी की अधिकाधिक असुरक्षा के बीच लोगों को कम वेतन में लंबे समय तक काम करना पड़ता है। काम के साप्ताहिक घंटे की जब बात आती है, तो भारत हमेशा शीर्ष के पांच या दस देशों में शुमार रहता है, मगर जब मापक छुट्टी के घंटे हों, तो हम निचले पायदान के पांच या दस देशों में एक रहते हैं। फरवरी में जारी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट बताती है कि लंबे कार्य-सप्ताह वाले देशों में भारत (हफ्ते में औसतन 48 घंटे काम) शीर्ष से पांचवें स्थान पर है। हमसे ऊपर सिर्फ कतर, मंगोलिया, गाम्बिया और मालदीव हैं। इसके बरअक्स, अमेरिकी थिंक टैंक वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू,नीदरलैंड व डेनमार्क में कर्मचारियों के औसतन 37.3 घंटे और 37.2 घंटे काम करने की पुष्टि करता है। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) के 'बेटर लाइफ इंडेक्स' में बताया गया है कि नीदरलैंड में महज 0.4 फीसदी कर्मचारी हफ्ते में 50 घंटे से अधिक काम करते हैं। आर्थिक सिद्धांत कहते हैं कि दुनिया की ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं को उभार से पहले ऐसे दौर से गुजरना ही होगा, जिसमें साप्ताहिक काम के घंटे ज्यादा होंगे। हालांकि, वर्क कल्चर (कामकाज का माहौल) की भी इसमें प्रमुख भूमिका होती है। दिल्ली के आंबेडकर विश्वविद्यालय में इकोनॉमिक्स ऐंड डेवलपमेंट स्टडीज की प्रोफेसर सुमंगला दामोदरन यूरोप का उदाहरण देकर बताती हैं, वहां की अर्थव्यवस्था विकसित है, लेकिन वह काम के घंटों में आराम वाली अर्थव्यवस्था भी है। हां, जर्मनी जैसे देश अपनी उत्पादकता पर इतरा सकते हैं, जिसकी अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे कम काम के घंटे (औसतन 39.5 साप्ताहिक घंटे) के बाद भी स्वस्थ और स्थिर बनी हुई है। ये हर दिन के आठ घंटे भी नहीं हैं। यदि आप अपने यहां एक हफ्ता भी ऐसा करने की कोशिश करेंगे, तो आपको फौरन कामचोर की संज्ञा दे दी जाएगी। जमशेदपुर के जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के प्रोफेसर के आर श्याम सुंदर कहते हैं, हम 19वीं सदी की अब भी औद्योगिक मानसिकता के शिकार हैं, जिसमें काम के अधिक घंटे का अर्थ होता है, अधिक उत्पादन। आज भी आर्थिक दक्षता की तुलना काम के लंबे वक्त से की जाती है, जो पूरी तरह से सही नहीं है। सवाल है, यह दुरुस्त कैसे होगा? फिलहाल इसका ठीक-ठीक जवाब नहीं दिया जा सकता। घर से काम करने से मुमकिन है कि हमारी कार्य-संस्कृति और जीवन का बेहतर संतुलन बन जाए या फिर, इस व्यवस्था में काम का दायरा और बढ़ सकता है? सुंदर बताते हैं, कोविड-19 की शुरुआत के साथ कार्य-जीवन में संतुलन का विचार कहीं ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। घर से काम कर्मचारियों व उनके परिवार के साथ-साथ कार्य-संस्कृति व कर्मियों की छुट्टियों को प्रभावित कर रहा है। लंबे घंटों की कार्य-संस्कृति वाले दक्षिण कोरिया में आज की कई सामाजिक समस्याओं का स्रोत इसे ही माना जाता है। इनमें से एक समस्या कम जन्म-दर है। साल 2017 में, राष्ट्रपति मून जे-इन ने काम के घंटों को कानूनी तौर पर कम करने का प्रयास किया और कर्मचारियों को 'आराम का अधिकार' दिया। साल 2019 में काम करने का अधिकतम समय 68 घंटे से घटाकर 52 घंटे कर दिया गया। प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने भी अपने समय में जापान में इसी तरह का अभियान चलाया था। प्रोफेसर सुंदर बताते हैं, मुख्यधारा का आर्थिक तर्क पहले तरक्की पाने की वकालत करता है, उसके बाद निष्पक्षता की। और इस मानसिकता में बदलाव अपने आप नहीं होता है। यूरोप में ही कंपनियों को खुद से इस बाबत नियम-कानून बनाने चाहिए थे, लेकिन वहां भी यह कर्तव्य सरकार का ही समझा गया।

जनता पर भारी पड़ रही नेताओं की लापरवाही

राजनेताओं की लापरवाही लोगों पर भारी पड़ रही है, इसकी एक मिसाल सामने आई है। पश्चिम बंगाल, असम सहित पांच राज्यों में नेताओं ने जमकर कोरोना नियमों की धज्जियां उड़ाई और अब इन्हीं राज्यों में कोरोना बेकाबू हो गया है। रोजाना संक्रमित मरीजों की गिनती बढ़ रही है। विडंबना यह है कि यहां रैलियां उस वक्त हुई जब कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने की संभावना स्पष्ट नजर आ रही थी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिला अस्पताल में भी एक लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां कोरोना से संक्रमित एक मरीज की ऑक्सीजन मशीन वार्ड बॉय ने हटा दी। ऑक्सीजन की कमी के चलते उन्होंने तड़प-तड़पकर बेटे के सामने ही बिस्तर पर दम तोड़ दिया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजनीतिक रैलियों के साथ पश्चिम बंगाल में 420 प्रतिशत, असम में 532 प्रतिशत और तामिलनाडु 160 प्रतिशत मामले बढ़े हैं। मृत्यु दर में 45 प्रतिशत बढ़ौतरी हुई है। सत्ता के लालच में चूर हुए नेता यह भूल गए थे कि कोरोना अभी गया नहीं। पार्टियों ने एक-दूसरे से अधिक इक्ट्ठ करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया। दुःखद बात यह है कि जो नेता विगत वर्ष लॉकडाउन में लोगों को सावधानी बरतने के लिए हाथ जोड़कर अपीलें कर रहे थे, वही नेता हजारों, लाखों की भीड़ में भाषण देते नजर आए। बिहार विधान सभा चुनावों के दौरान भी यही सब कुछ घटित हुआ। राजनीतिक दलों ने अपने रोड़ शो पर भारी भीड़ की तस्वीरें अपने अधिकारित सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी शेयर की। यही दृश्य कोरोना के कारण सबसे अधिक मृत्यु दर वाले राज्य पंजाब में देखने को मिला, जब फरवरी महीने में हुए निकाय चुनावों में सभी राजनीतिक दल जुटे हुए थे। सड़कों पर मास्क न पहनने वालों के चालान काटने वाली पुलिस ने किसी भी पार्टी के नेता को हाथ तक नहीं लगाया। पंजाब में शिरोमणी अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल एक-दो रैलियां करने के कोरोना संक्रमित हो गए तो पार्टी ने तुरंत रैलियां करने पर रोक लगा दी। अब पंजाब में रोजाना मेयर/प्रधानों के चुनावों को लेकर इक्ट्ठ हो रहे हैं। हालांकि कई राज्यों में रात को कर्फ्यू लगाया गया है। यह काफी हैरतपूर्ण है कि कोरोना भी बुद्धिमान है, जो नेताओं की भीड़ को कुछ नहीं कहता लेकिन रात को फैल रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि सत्ता व पदों के दौर में लोगों के स्वास्थ्य से जमकर खिलवाड़ हो रहा है। उनकी जिंदगी से खेला जा रहा है।

व्यक्ति के जीवन में एक खिड़की खोलती हैं पुस्तकें

-प्रमोद दीक्षित मलय

विश्व पुस्तक दिवस पर विशेष

लेख की शुरुआत मैं कुछ महान व्यक्तियों के पुस्तक सम्बंधी कथनों से करना चाहूंगा। महात्मा गांधी कहते हैं कि पुस्तकें बहुमूल्य रत्नों-जवाहरातों से बढ़कर हैं। मैं नरक में भी अच्छी पुस्तकों का स्वागत करूंगा तो अर्नेस्ट हेमिंग्वे विचार रखते हैं कि एक किताब से ईमानदार मित्र कोई नहीं हो सकता। विलियम फीदर थोड़ा और आगे बढ़कर विचार रखते हैं कि एक किताब को खत्म करना एक अच्छे दोस्त को छोड़ने जैसा है। इन उद्धरणों के आलोक में हम व्यक्ति के जीवन में पुस्तकों के महत्व और भूमिका को समझ सकते हैं। यदि हम भारत की स्वतंत्रता की एक झलक देखें तो एक दृश्य समान रूप से दिखाई पड़ता है और वह है नेताओं एवं क्रांतिकारियों द्वारा कारावास अवधि में पुस्तकों का पढ़ना और लिखना। लोकमान्य तिलक, गांधी, नेहरू, नेता जी सुभाष, वीर सावरकर, भगत सिंह आदि मां भारती के पुत्रों ने जेल के कठोर एकांतिक जीवन को पुस्तकों के साथ से सरस एवं रुचिपूर्ण बना दिया। वास्तव में पुस्तकें व्यक्ति के जीवन को गढ़ती हैं। अवगुण काढ़ कर उसको संस्कारित कर वैचारिक सुवास से परिपूर्ण करती हैं। उसे इस योग्य बनाती हैं कि वह एक बेहतर नागरिक एवं इंसान बनकर सम्पूर्ण मानवता के लिए आदर्श बन जाये। पुस्तकें व्यक्ति के जीवन में दुनिया को देखने-समझने की एक खिड़की खोलती हैं। बच्चों एवं वयस्कों में पढ़ने की आदत विकसित करने हेतु यूनेस्को ने 1995 में पेरिस में 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस मनाने की पहल की। 23 अप्रैल को पुस्तक दिवस के रूप में मनाने के पीछे तमाम कहानियां प्रचलित हैं, उसके विस्तार में न जाकर मैं केवल इतना कहना चाहूंगा कि स्पेन के पुस्तक विक्रेताओं ने 1923 में स्पेनी लेखक मीगुएल डी सरवेंट्स को श्रद्धांजलि देने हेतु उनकी पुण्यतिथि 23 अप्रैल को पुस्तक दिवस के रूप में एक कार्यक्रम रखा था। वहीं कुछ लोग महान अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर के जन्म एवं निधन की तिथि 23 अप्रैल को पुस्तक दिवस के आयोजन के आधार का संदर्भ देखते हैं। फिलहाल, यूनेस्कों के मार्गदर्शन में दुनिया के 100 से अधिक देशों में 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस धूमधाम से मनाया जाता है। भारत में भी 2001 से यह दिन हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं जिसमें सरकारी आयोजनों के साथ ही स्कूलों, विश्वविद्यालयों, समाजसेवी संस्थाओं, पुस्तक विक्रेताओं एवं पुस्तकालयों द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से समाज में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि यूनेस्कों प्रत्येक वर्ष एक पोस्टर बनाकर थीम देता है जो पुस्तक पढ़ने की वैश्विक अभिरुचि को प्रदर्शित करत है। गतवर्ष का विषय था, किताबें- कोविड-19 के दौरान दुनिया में एक खिड़की। अन्य वर्षों के थीम न केवल प्रेरक है अपितु गंभीर संदेश भी समाहित किये है। पढ़ना ठंडी हवा है (1998), एक किताब दो (1999), खुशी के घंटे (2001), जीवन के लिए दोस्त (2003) कितने प्रासंगिक खुसबू समेटे हुए हैं। विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर पुस्तकों से अपनी दोस्ती की एक झलक पाठकों के समक्ष रखते हुए मुझे खुशी होगी। जीवन की यात्रा के दौरान कुछ ऐसे चित्र उभरते हैं जिनमें पुस्तकों ने कदम-कदम पर मुझे सहारा दिया, मुझे प्रेरणा दी और भरपूर प्यार भी। जब कभी नैराश्य के घने बादल मन-मस्तिष्क पर छाने को बढ़े तभी किताबों ने प्रेरणा की सुधारस वर्षा कर हृदय को भावविभोर कर असीम नवल ऊर्जा का संचार कर दिया। जब चुनौतियों से जूझते-लड़ते तन-मन थककर गिरने को हुआ तो किताबों ने अपने मखमली पन्ने बिखेर दिये। असफलता के अंधकार ने अपने आगोश में जकड़ना चाहा तो किताबों की स्याही रोशनी बनकर परिवेश में बिखर गई। कह सकता हूं कि किताबों ने ही मुझे थामा है, संभाला है। मुझे एक बेहतर इंसान बनाने में किताबों ने अपनी सार्थक भूमिका निर्वहन की। किताबों ने ही मुझे गढ़ा है, पंक्ति-पंक्ति सांसें बनकर मेरे फेफड़ों में बह रही हैं। शब्दों ने अपना जीवन अर्पित कर मेरा जीवन सुवासित किया है। किताबों के उजाले ने पथ में किरणों का उपहार दिया है। इस उजाले की चाह में मैं अविराम बढ़ता रहा हूं। स्कूली किताबों के अलावा जो कुछ भी पढ़ पाया उसने मुझे एक बेहतर नागरिक बनने में मेरी भरपूर मदद की। पढ़ने ने मुझे शब्द-सम्पदा का धनी बनाया, लेखन में एक अपनी शैली विकसित करने में सहारा दिया और चीजों को समझने की दृष्टि भी भेंट की। घर में लोहे के एक पुराने बड़े संदूक में भरी किताबें मेरा मन खींचतीं थीं। सन् 1981 की गर्मियों के अलस भरे लम्बी छुट्टी के दिन। मन संदूक में रम गया था और एक दिन धीरे से एक मोटी किताब निकाल ली। तो वह कथा सम्राट प्रेमचन्द्र का उपन्यास 'गोदान' घर के सामने लगे बरगद की छांव तले सात दोपहर में चोरी-चोरी पढ़ा। 'गोदान' में वर्णित तत्कालीन परिस्थितियों ने बाल मन पर गहरा असर डाला और सामाजिक ताने-बाने को समझने की एक दृष्टि भी दी। अगली पुस्तक जो हाथ लगी वह थी देवकी नन्दन खत्री का उपन्यास 'चन्द्रकान्ता'। गोदान के यथार्थ धरातल से बिल्कुल उलट कल्पना की दुनिया की भावभूमि में बुने 'चन्द्रकान्ता' ने मन को बांध लिया था। वृन्दावनलाल वर्मा की मृगनयनी, झांसी की रानी को कैसे भूल सकता हूं, ऐतिहासिक सन्दर्भों को कल्पना के धागे में पिरोकर पाठक के चित्त को चुरा लेने की कला का दर्शन भी तभी कर लिया था। ऐसे ही तमाम किताबें पढ़ डालीं। आज भी तमाम व्यस्तता के बावजूद मैं पढने-लिखने का मौका ढूंढ लेता हूं और किसी दिन यदि कुछ पढ़-लिख नहीं पाया तो खालीपन महसूस करता हूं। नई-नई किताबों को पढ़ने की भूख और नया सीख पाने की ललक बहुत बढ़ गई है। इतना सब पढ़ने के बाद भी पढ़ने और लिखने से मन नहीं भरा। विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर हम अपने परिवार और पड़ोस के बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने हेतु उन्हें लगातार बाल साहित्य उपलब्ध कराते रहें, तभी इस दिवस के मनाने की सार्थकता सिद्ध होगी। मुझे विश्वास है, आप कुछ ऐसा ही कर रहे होंगे।

लेखक शिक्षक हैं तथा पर्यावरण, लोक संस्कृति एवं शिक्षा के मुद्दों पर काम कर रहे हैं।
बांदा (उ.प्र.) मोबा- 94520-85234

कोरोना काल में बेजान हाथों की देखभाल

शहनाज़ हुसैन

कोरोना वायरस की महामारी से दुनिया भर में लोग डर के साये में जी रहे हैं। लोग मजबूरन वायरस के साथ जिन्दगी जीने के आदी बनते जा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के वैक्सीन ढूंढ़ने के अबतक के प्रयासों में मिली निराशा के बीच मास्क, फेस कवर, सोशल डिस्टैन्सिंग तथा हाथ धोने को ही इस बीमारी की रोकथाम का कारगर उपाय माना जा रहा है। एक्सपर्ट्स, डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों ने बार-बार हाथों को बीस मिनट तक गुनगुने पानी/ साबुन से धोने की सलाह दी है। ऐसे में कुछ बड़ी कम्पनियाँ हैंड सैनिटाईज़र, एंटी वायरल हैंडवाश, एन्टी माइक्रो बायल्स आदि उत्पादों के प्रचार करने पर जुटी हैं ताकि इस महामारी में भी मुनाफा कमाया जा सके। स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि कोरोना वायरस के केमिकल मेकअप को खतम करने का सबसे प्रभावी और आसान तरीका साबुन और गर्म पानी से हाथ धोना ही है क्योंकि इससे वायरस के ऊपर चढ़ा लिपिड का आवरण हट जाता है और वायरस निष्क्रिय हो जाता है। साबुन और पानी से वायरस का बाहरी खोल घुल जाता है जिससे वायरस की कापियां बनाने वाले अनुवंशिक पदार्थ को निष्क्रिय कर बहा देता है। डॉक्टरों की मानें तो आप हैंड सैनिटाईज़र, एंटी वायरल हैंडवाश, एन्टी माइक्रो बायल्स आदि का उपयोग सफर के दौरान या वहां कर सकते हैं जहां साबुन/पानी की उपलब्धता नहीं है।

अब जबकि हाथ धोने को बीमारी रोकने का मूलमंत्र माना जा रहा है तो ऐसे में सवाल उठता है कि बार-बार साबुन से हाथ धोने से हाथ की बाहरी संवेदनशील त्वचा में जलन, खुजली, सूखापन, एक्जिमा, डर्मेटाइटिस आदि बीमारियों को कैसे रोका जाये। मेरा मानना है कि साबुन, केमिकल, डिटर्जेंट और अल्कोहल आधारित सेनिटाईज़र का हाथों पर बार-बार प्रयोग से एपिड मिर्स की ऊपरी त्वचा में प्रोटीन को नुकसान पहुंचेगा जिससे हाथ लाल, खुरदरे, सूखे, बेजान और मुरझाये दिखने लगते हैं। इनके ज्यादा प्रयोग से आपके हाथों में कट लग सकते हैं, जिससे बैक्टीरिया हमारी त्वचा में प्रवेश कर सकता है, जिससे 'एक्जिमा' जैसे रोग घर कर सकते हैं। आपके हाथों में झुनझुनी का अहसास हो सकता है और त्वचा फफोलेदार और पीड़ादायक हो सकती है। वास्तव में हाथों की पिछली ओर की त्वचा काफी पतली होती है तथा इसमें तैलीय ग्रन्थियों की कमी रहती है, जिसकी वजह से हाथों में झुर्रियां पड़ जाती हैं। बार-बार साबुन से हाथ धोने से नाखून भी शुष्क होकर भुरभुरे हो जाते हैं। हमारी त्वचा की बाहरी परत वॉटरप्रूफ बैरियर की तरह काम करती है। यह परत समतल कोशिकाओं से बनी होती है जो त्वचा की सामान्य नमी को बनाए रखते हुए त्वचा की बाहरी पदार्थों से रक्षा प्रदान करती है। जब हम हाथों को साबुन के झाग से बार-बार धोते हैं तो यह प्राकृतिक बैरियर टूट जाता है तथा हाथों की त्वचा को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है तथा ऐसे में हाथों की त्वचा की रक्षा करना अनिवार्य हो जाता है।

सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सूखने दें तथा हाथ सूखने के बाद ही हैंड क्रीम लगाएं। हाथों के अच्छी तरह सूखने से बैक्टीरिया और वायरस दोनों मर जाते हैं जबकि गीली त्वचा से इनके फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा सिंगल यूज़ नैपकिन का प्रयोग करें क्योंकि एक ही कपड़े से बार-बार हाथ पोंछने से बैक्टीरिया के फैलने का खतरा बढ़ सकता है। हाथ सूखने के बाद त्वचा पर जैल या खुशबू रहित हैंड क्रीम उपयोग में लाएं या मॉइस्चराइजिंग मास्क भी अप्लाई कर सकते हैं। सबसे पहले सुबह के स्नान के समय हाथों को आयॅल तथा माईस्चराईज करने से शुरुआत करनी चाहिए।

कुछ घरेलू नुस्खे

- कच्चे दूध की मालिश हाथों को कोमल बनाये रखने में काफी मददगार साबित होती है। कच्चे दूध को निकालकर फ्रिज में रख लीजिये और जब भी समय मिले, हाथों-पांवों पर मलकर धीरे-धीरे मालिश करें। इससे त्वचा मुलायम होगी तथा त्वचा पर जमी मैल, गन्दगी दूर होगी। आप इस प्रक्रिया को रोजाना दोहरा सकते हैं या 1-2 दिन के अंतराल के बाद उपयोग कर सकते हैं।
- स्नान से पहले हाथों पर गुनगुना तेल लगाकर हाथों पर अच्छी तरह मालिश कीजिए जिससे हाथों की त्वचा मुलायम हो जाये। इसके लिए आप नारियल तेल या बादाम तेल का उपयोग करें तो ज्यादा बेहतर होगा। नहाने के तत्काल बाद जब आपकी त्वचा गीली हो तो हाथों पर मॉइस्चराईजर लगा लीजिए जिससे त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद मिलेगी।
- बादाम, दही और चुटकी भर हल्दी डालकर बने मिश्रण को हाथों पर लगाकर 30 मिनट बाद हाथों को ताजे ठण्डे पानी से धो डालिए। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में दो बार अपना सकते हैं। रात्रि को सोने से पहले हाथों पर पौष्क क्रीम की हल्के मालिश करने के बाद सो जाइए।
- हाथों की त्वचा को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ घरेलू हर्बल प्रसाधनों की मदद भी ले सकती हैं। आजकल बाजार में कई तरह के मॉइस्चराईजर, हैंड क्रीम आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। बॉडी लोशन की बजाय हैंड क्रीम हमेशा बेहतर साबित होती है क्योंकि हैंड क्रीम ज्यादा पोषक होती है। पानी पर आधारित लोशन लगाने से त्वचा में सूखापन बढ़ जाता है क्योंकि पानी हवा में उड़ जाता है। इसके मुकाबले ऑयल पर आधारित क्रीम लगाना कहीं ज्यादा प्रभावी तथा लाभप्रद रहता है। जब भी आपके हाथ शुष्क हों तो तत्काल हैंड क्रीम लगाना कतई ना भूलें। हाथों को धोने के लिए उपयोग किए जाने वाले साबुन हल्के तथा सुगन्धरहित होने चाहिए।
- चार चम्मच बादाम तेल, एक चम्मच गुलाब जल तथा आधा चम्मच टिनचर बेंज़ोइन को मिलाकर बने मिश्रण को हाथों पर लगाकर, सूती कपड़े से लपेटकर हाथों को ढंक लें तथा इसे रात भर हाथों पर लगा रहने के बाद सुबह ताजे सामान्य पानी से धो डालिए। इससे आपके हाथ कोमल तथा मुलायम हो जायेंगे।
- लोशन की बजाय अगर आप क्रीम/आयॅन्टमैंट को प्राथमिकता दीजिए क्योंकि यह ज्यादा प्रभावी होते हैं।
- नींबू जूस और चीनी को हाथों पर रगड़ने से त्वचा मुलायम होती है।
- दो चम्मच सूर्यमुखी तेल, 2 चम्मच नींबू जूस तथा तीन चम्मच चीनी को मिलाकर बनाये मिश्रण को हाथों पर लगाकर आधे घण्टे बाद हाथों को ताजे साफ पानी से धो डालिए। इसे हफ्ते में तीन बार प्रयोग कर सकते हैं।
- यदि आपकी त्वचा कैमिकलयुक्त साबुन, डिटरजैंट के प्रति संवेदनशील है तो आप बर्तन धोते समय हाथों पर दस्ताना पहनना कतई न भूलें। एक चम्मच खमीर को एक गिलास ताजे जूस में डालकर पीने से नाखून तथा त्वचा बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक रहती है।

(लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ हैं।)

पतले बालों को दही की मदद से बनाएं घना-लंबा

दही का इस्तेमाल वैसे तो हर घर में खाने की थाली में किया जाता है। लेकिन वास्तव में यह स्किन और हेयर के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह बालों की ग्रोथ को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उसकी चमक को वापिस लौटाने में मदद करता है। यदि आपके हेर्यस सूखे और डैमेज्ड हैं या फिर आपके बाल लगातार झड़ रहे हैं, जिससे वह काफी पतले हो गए हैं तो ऐसे में आपको दही के मास्क को अपने बालों में अप्लाई करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको दही की मदद से बनने वाले कुछ हेयर मास्क के बारे में बता रहे हैं-

अंडा और दही मास्क

अंडे की जर्दी में पेप्टाइड्स होते हैं जो बालों के विकास को प्रोत्साहित करते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि आपके बाल तेजी से और स्वस्थ हों। इसके लिए आप एक अंडे को तोड़कर अच्छी तरह फेंट दें, ताकि उसका येलो व व्हाइट भाग अच्छी तरह मिक्स हो जाए। अब इसमें 2 बड़े चम्मच दही डालकर पेस्ट बनाएं। बस अब अपने बालों के सेक्शन्स करके इस मिश्रण को रूट्स से लेकर जड़ों पर लगाएं। करीबन आधे घंटे के लिए उसे ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में शैम्पू और ठंडे पानी की मदद से बालों को वॉश करें।

केला और दही मास्क

केले में पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन होते हैं जो बालों को पोषण देने में मदद करते हैं। यह स्कैल्प के स्वास्थ्य में सुधार करता है, रूसी को कम करता है और बालों को चमकदार बनाता है। यह हेयर ब्रेकेज की समस्या को भी दूर करता है, जिसके कारण आपके हेयर फिर से घने होने लगते हैं। इस मास्क को बनाने के लिए आधा पका हुआ केला लेकर उसमें एक बड़ा चम्मच दही, तीन चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच नींबू का रस मिक्स करके स्मूद पेस्ट तैयार करें। अब इसे रूट्स से लेकर टिप्स पर लगाएं और आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब आप शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

दही और शहद मास्क

शहद बालों को कंडीशन करता है, जिससे रूसी व हेयर लॉस की समस्या दूर होती है। साथ ही बालों को थिक बनाने में मदद मिलती है। इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा कप दही लेकर उसमें एक छोटा चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच सेब का सिरका डालकर मिक्स करें। अब इसे अपने बालों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आखिरी में एक माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

लेयर्ड ज्वेलरी के साथ स्टाइल

दीप्ति अंगरीश

किसी भी तरह के कपड़े पहन लें, लेकिन ज्वेलरी के बिना अच्छा लुक उभरकर नहीं आता। भले ही ज्वेलरी लाइटवेट हो या एंटीक या बोल्ड...कोई भी। आजकल ट्रेंड में है लेयर्ड ज्वलेरी। इसमें एक नहीं 2-3 ज्वेलरी पीस एक साथ पहने जाते हैं। मेटल गोल्ड, सिल्वर, फंकी, ऑक्सीडाइसड...को अलग-अलग पहनें या एक साथ। इसमें खास होती है लेयरिंग और स्पेसिंग। आप खुद भी क्रिएट कर सकते हैं लेयर्ड ज्वेलरी।

लेयर्ड से दिखें ट्रेंडी

ये हर उम्र की महिला और हर तरह के आउटफिट पर फबती है। इसे बाज़ार से खरीदने के अलावा आप खुद भी क्रिएट कर सकते हैं। ये उन महिलाओं के लिए मुफीद है जिन्हें अपनी पुरानी ज्वेलरी से अधिक मोह होता है। जानते हैं कुछ आइडियाज़, जो पुरानी ज्वेलरी को लेयर लुक देंगे।

नेक ज्वेलरी

सामन्य नेक ज्वेलरी को नेक लेयर ज्वेलरी बनाने के लिए ज़रूरी नहीं कि सोने व चांदी की ही ज्वेलरी हो। स्टोन चेन, पर्ल चेन या प्लेन गोल्ड चेन को भी लेयर ज्वेलरी बना सकते हैं। कॉलर बोन तक आती गोल्ड चेन के साथ लंबी प्लेन गोल्ड चेन या पर्ल चेन के साथ पहनें। लंबाई में छोटी-बड़ी चेन के साथ शानदार लेयरिंग की जा सकती है। हैवी ज्वेलरी पहन रही हैं, तो चोकर को भारी व लंबी पेंडेंट चेन से लेयर करें।

ध्यान रहे कि जितनी भी लेयरिंग करें, सभी दिखनी चाहिए। इसमें हैवी ज्वेलरी को डेलीकेट ज्वेलरी से भी लेयर किया जा सकता है। कोशिश करें कि लेयरिंग में सभी ज्वेलरी एक ही मेटल की हों। इसमें आप कई सारी एक ही लंबाई की नेक ज्वेलरी को एक साथ न पहनें।

रिंग्स का मैजिक

अंगूठी को कई तरीकों से लेयर्ड कर सकते हैं। मसलन जिस हाथ की अंगुली में गोल्ड रिंग पहनी हैं उसके साथ वाली अंगुली में डायमंड रिंग पहनें। जेम स्टोन रिंग के साथ ऐसी लेयरिंग करें। हटकर लेयरिंग के लिए एक ही अंगुली में 2-3 रिंग अच्छी लगती है, जैसे दो पतली सोने, चांदी या किसी ओर मेटल के बीच में डायमंड या रंग-बिरंगे स्टोन की रिंग पहनें। कॉकटेल रिंग को भी समान मेटल के साथ लेयर करें। आजकल बाज़ार में टिप फिंगर रिंग भी मिलती हैं। 2-3 रिंग की लेयरिंग करने के बाद उसी अंगुली में टिप फिंगर रिंग हाथ को न्यू लुक देती है।

ऑनलाइन व ऑफलाइन शॉपिंग में किफायती दाम में नकल मिडी फिंगर टिप रिंग मिलती है। इनमें बेस रिंग के अलावा 3-4 रिंग होती है, जो पूरी अंगुली को कवर करती है। दोनों हाथों की 1-1 अंगुली को रिंग्स से लेयर्ड करें। थंब रिंग को टिप फिंगर रिंग से लेयर करें।

बैंगल-ब्रेसलेट की लेयर

कई तरह के डिज़ाइन, टेक्सचर व शेप के ब्रेसलेट खरीदें। चूड़ियों को ब्रेसलेट के साथ भी लेयर किया जा सकता है। एक स्ट्रैंड वाले ब्रेसलेट को प्लेन व डिज़ाइन वाली सोने की चूड़ियों से लेयर कर सकते हैं। डबल स्ट्रैंड वाले ब्रेसलेट को गोल्ड बैंगल से लेयर करें। इमेज, नाम या क्यूट ब्रेसलेट को सिंपल ब्रेसलेट के साथ लेयर कर सकते हैं। मंगलसूत्र ब्रेसलेट भी चलन में है।

बॉलीवुड में भी हिट

हाल ही में फैशन डिज़ाइनर मसाबा गुप्ता के एक्ट्रस सोनम कपूर की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की गई। इसमें सोनम कपूर ने डायमंड चोकर नेकपीस को नेक टाइट सिंगल स्ट्रैंड डायमंड चेन से लेयर किया था। कुछ तस्वीरों में दीपिका पादुकोण ने भी लेयर्ड ज्वेलरी पहनी है। एक तस्वीर में दीपिका ने हैवी मेकअप के साथ 3 गोल्ड चेन की लेयरिंग की है। दूसरी में एक हाथ में 2 बैंगल के बीच ब्रेसलेट पहना है।

अंगूठी को कई तरीकों से लेयर्ड कर सकते हैं। मसलन जिस हाथ की अंगुली में गोल्ड रिंग पहनी हैं उसके साथ वाली अंगुली में डायमंड रिंग पहनें। जेम स्टोन रिंग के साथ ऐसी लेयरिंग करें। हटकर लेयरिंग के लिए एक ही अंगुली में 2-3 रिंग अच्छी लगती है, जैसे दो पतली सोने, चांदी या किसी ओर मेटल के बीच में डायमंड या रंग-बिरंगे स्टोन की रिंग पहनें।

मेकअप टिप

हैवी मेकअप के साथ लाइट वेट वाली ज्वेलरी के साथ लेयरिंग करें। इसके साथ ही हैवी वेट की ज्वेलरी की लेयरिंग के साथ न्यूड मेकअप करें।

जब आपका वज़न बढ़ने लगे

आजकल वजन घटाने हेतु बहुत सारी व्यायामशालाएं खुली हुई हैं जिनमें से कुछ चंद दिनों में वजन घटाने का दावा करती हैं व लोग इसी दावे को सच मानकर उनकी ओर खिंचे चले आते हैं। वे इनमें ढेर सारा पैसा और अपना कीमती समय खर्च करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि इनके द्वारा किया गया दावा सच साबित हो ही जाए। क्यों न आप घर पर ही अपने लिए कुछ समय निकालें। इससे आपका पैसा तो बचेगा ही, साथ ही आपका वजन भी निश्चित रूप से कम होगा, बस जरूरत है तो वजन घटाने हेतु सही जानकारी की। सर्वप्रथम आप यह याद रखें कि वजन को कम करने में समय लगता है।

- भाषणा गुप्ता

वर्तमान युग में बच्चों से लेकर युवाओं तक सभी मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं। मोटे व्यक्ति को जहां दूसरों के समाने शर्मिंदगी उठानी पड़ती है, वहीं उसके शरीर में अनेक बीमारियां भी अपना घर बना लेती हैं। आजकल वजन घटाने हेतु बहुत सारी व्यायामशालाएं खुली हुई हैं जिनमें से कुछ चंद दिनों में वजन घटाने का दावा करती हैं व लोग इसी दावे को सच मानकर उनकी ओर खिंचे चले आते हैं। वे इनमें ढेर सारा पैसा और अपना कीमती समय खर्च करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि इनके द्वारा किया गया दावा सच साबित हो ही जाए। क्यों न आप घर पर ही अपने लिए कुछ समय निकालें। इससे आपका पैसा तो बचेगा ही, साथ ही आपका वजन भी निश्चित रूप से कम होगा, बस जरूरत है तो वजन घटाने हेतु सही जानकारी की। सर्वप्रथम आप यह याद रखें कि वजन को कम करने में समय लगता है। इसे रातों रात कम नहीं किया जा सकता। खानपान की गलत आदतों के परिणामस्वरूप पेट का आकार और वजन बढ़ जाते हैं। इस प्रकार बढ़े हुए पेट व वजन को कम करने हेतु खानपान के प्रति सतर्कता बरतना बेहद आवश्यक है। आपका भोजन पौष्टिक पर स्वादिष्ट होना भी जरूरी है क्योंकि भोजन स्वादिष्ट नहीं होगा तो आप भूखे तो रहेंगे ही, साथ ही असंतुष्ट भी रहेंगे। अतः भोजन को इस प्रकार पकाएं कि वह आपको संतुष्टि भी दे ओर साथ ही वजन कम करने में भी सहायक हो। अक्सर लोग सुबह का नाश्ता करते ही नहीं पर यह उचित नहीं है क्योंकि सुबह नाश्ता न करने से दोपहर को तेज भूख लगेगी, जिससे खाने के प्रति लालसा पैदा होगी व आप न चाहते हुए भी अधिक कैलोरी वाला भोजन खा लेंगे, इसलिए अगर आप वास्तव में ही अपना वजन कम करना चाहते हैं तो सही ढंग से नाश्ता करें। जब हम आवश्यकता से अधिक कैलोरीयुक्त भोजन खा लेते हैं तो यह अतिरिक्त कैलोरी हमारे पेट, नितम्बों व कूल्हों में जमा हो जाती है इसलिए वजन घटाने हेतु यह अति आवश्यक है कि आप अपने भोजन में कैलोरी की मात्र को कम से कम रखें। दिन भर में एक या दो बार पेट भर भोजन करने की बजाए 4-5 बार थोड़ा-थोड़ा खाएं। यह निश्चित रूप से आपके वजन को कम करने में सहायक होगा। इससे हमारी शरीर की मंद चयापचय क्रि या तीव्र होती है। दिन में 4-5 बार किया भोजन हमारे शरीर में ऊर्जा की पूर्ति भी करता है और हमारी भूख भी शांत रहती है। रेशे भी वजन को कम करने में सहायक हैं। ये आंतों में जमी चरबी को सोखते हैं। ऐसे रेशे हजारों सूक्ष्म धागों से मिलकर बने होते हैं। जब हम रेशेयुक्त भोजन खाते हैं तो ये धागे हमारे वसा कणों में इर्द गिर्द लिपट जाते हैं और उनका पूरी तरह पाचन नहीं होने देते। इस प्रकार वसा हमारे शरीर में जमा होने से पूर्व ही बाहर निकल जाती है। रेशेयुक्त भोजन देर से हज़म होता है व इसे पचाने हेतु शरीर को अधिक श्रम करना पड़ता है जिसमें अधिक ऊर्जा खर्च होती है। व्यायाम शरीर की अतिरिक्त चर्बी को घटाने का कारगर नुस्खा है। इसके लिए आपको जिम या हैल्थ क्लब जाने की जरूरत नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार एक दिन में 30 मिनट का शारीरिक श्रम, जिम में सप्ताह में पांच दिन 20 से 60 मिनट लगातार व्यायाम करने के बराबर होता है। अतः अधिक से अधिक शारीरिक श्रम करने का प्रयास करें। मोटापे के कारण शरीर की चयापचय क्रिया मंद पड़ जाती है जिसमें आप व्यायाम द्वारा वृद्धि कर सकते हैं। अपने खानपान के प्रति सतर्क रहने हेतु आपको चाहिए कि आप एक ऐसा चार्ट तैयार करें जिसमें आपका दिनभर का भोजन शामिल हो। दिन में 4-5 बार जो भी खाए,वह इस चार्ट पर नोट करें। एक सप्ताह के बाद इसे चेक करें कि आपने कब, कितनी मात्रा में किस तरह का भोजन खाया, रेशेयुक्त, कैलोरीयुक्त, फास्ट फूड या फिर अन्य प्रकार का भोजन। एक-एक सप्ताह के बाद चार्ट को चेक करने के साथ ही अपना वजन भी तोलें। इससे आपको पता चल जाएगा कि किस तरह के भोजन से आपका वजन कम होता है। इसके लिए आप आहार विशेषज्ञों की सलाह भी ले सकते हैं।

एक नजर...

अब शादी के समारोह के लिए अब लेनी होगी अनुमति

लखनऊ। कोरोना संक्रमण रोकने के लिए प्रदेश में शनिवार और रविवार को लॉकडाउन लगाया गया है। इस बीच सहालग भी शुरू हो गई है। इसे देखते हुए लखनऊ में शादियों के लिए पूर्व अनुमति लेनी होगी, जिसमें 50 लोगों ही शिरकत कर सकेंगे। मेहमानों को मास्क और सोशल डिस्टेंसग का पालन करना होगा। कोताही बरतने वालों के खिलाफ महामारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

समारोह में शामिल होने वालों की संख्या सीमित–पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर के मुताबिक मांगलिक आयोजन करने वालों को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। सरकार की तरफ से वैवाहिक समारोह में शामिल होने वालों की संख्या सीमित की गई है। इसका कड़ाई से पालन कराया जायेगा। समारोह के लिए पूर्व अनुमति लेनी होगी।

डीसीपी कार्यालय से मिलेगी अनुमति–शादी समारोह के लिए पूर्व अनुमति संबंधित डीसीपी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। पुलिस कमिश्नर के अनुसार डीसीपी कार्यालय में अनुमित पत्र उपलब्ध होंगे। आवेदक को शादी का कार्ड प्रस्तुत करना होगा,जिसके आधार पर नियमों के तहत अनुमति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि डीसीपी कार्यालय में अनुमति के लिए आने वालों को परेशानी न हो।

डॉक्टर की पिटाई से नाराज डॉक्टरों ने एसआरएन में किया हड़ताल, मचा हाहाकार

प्रयागराज। प्रयागराज के स्वरूपरानी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में अस्पताल में शुक्रवार सुबह प्रतापगढ़ में तैनात इंस्पेक्टर की मां की मौत के बाद बवाल हो गया। तीमारदारों ने एक डॉक्टर की जमकर पिटाई कर दी जिससे वह अधमरा हो गया। इससे नाराज अस्पताल कर्मचारियों ने इंस्पेक्टर समेत तीनों भाइयों को पीट दिया और इसके बाद हड़ताल कर दिया। अस्पताल में इलाज बंद होने से हाहाकार मच गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने इंस्पेक्टर को तत्काल सस्पेंड कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करने की बात कही लेकिन जूनियर डॉक्टर मानने को तैयार नहीं। सुबह से अस्पताल में हड़कंप मचा हुआ है। प्रतापगढ़ में तैनात इंस्पेक्टर जुल्फिकार की मां 18 अप्रैल से स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती थी। गुरुवार देर रात उनकी हालत गंभीर हो गई । आरोप है कि वह नाम कोविड थी और उन्हें कोविड वार्ड में शिफ्ट दिया गया। इसी बात को लेकर इंस्पेक्टर और डॉक्टर से कहासुनी हो गई। इंस्पेक्टर समेत तीनों भाइयों ने डॉक्टर पर हमला कर दिया। उसका सर फट गया। इससे नाराज अस्पताल कर्मचारियों ने इंस्पेक्टर समेत तीनों भाइयों को जमकर पीटा। तीनों वही अधमरे होकर पड़ गए। इस घटना के बाद से जूनियर डॉक्टर हंगामा करने लगे। उन्होंने अस्पताल का काम छोड़ दिया और हड़ताल पर चले गए। सूचना मिलते ही आईजी के पी सिंह समेत पुलिस के आला अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। स्थिति को नियंत्रण करने की कोशिश की जा रही है।

पतंजलि में 83 कोरोना पॉजिटिव मिले, बाबा रामदेव का भी हो सकता है कोविड टेस्ट

हरिद्वार। योग गुरु बाबा रामदेव के पतंजलि योग पीठ में भी कोरोना की एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है पतंजलि में 83 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। ये लोग बाबा रामदेव के अलग-अलग तीन संस्थानों में मिले हैं। इनमें से 46 कोरोना संक्रमित पतंजलि योग पीठ, 28 योग ग्राम और 9 कोरोना संक्रमित आचार्यकुलम में मिले हैं। हालांकि दावा किया गया है कि बाबा रामदेव के संस्थानों में कोई भी कोरोना पॉजिटिव केस नहीं है। तिजारावाला ट्वीटर हैंडल के जरिए दावा किया गया है कि मीडिया में चल रही बाबा रामदेव के संस्थानों में कोरोना संक्रमितों के मिलने की खबरें गलत हैं। कहा जा रहा है कि पतंजलि के बाहर ही सभी की कोविड जांच की जाती है और यदि कोई पॉजिटिव है तो उसे अंदर एंट्री नहीं दी जाती है। बताया जा रहा है कि योगग्राम, निरामयम, आचार्यकुलम, पतंजलि आदि संस्?थानों में कोई कोरोना संक्रमित नहीं है। इस सभी संस्थानों में मरीजों की कोरोना टेस्टिंग के लिए सेंटर हैं। जो लोग भी संक्रमित पाए जाते हैं उन्हें संस्थानों में प्रवेश नहीं दिया जाता है। मीडिया में भ्रामक/निराधार अफवाहों का संज्ञान लेकर हम आगाह करते हैं कोई झूठी खबर ना चलाए। इनडोर मरीजों की आवश्यक सकोरोना की टेस्टिंग के लिए सेंटर बना रखा है। जो पोजिटिव आए उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता। योगग्राम सनिरामयम सआचार्यकुलम सपतंजलि संस्थानों में कोई पोजिटिव नहीं है। बाबा रामदेव के संस्थानों में बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिलने से हड़कंप मच गया है। स्वास्थ्य विभाग कोरोना संक्रमितों की कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग कराने में जुट गया है। कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग कर रही स्वास्थ्य विभाग की टीम जरूरत पड़ने पर योग गुरु स्वामी रामदेव की भी कोरोना जांच कर सकती है। उधर, उत्तराखंड में कोरोना के मामलों में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। माना जा रहा है कि पतंजलि में कोरोना के मामले मिलने के बाद हरिद्वार के सीएमओ, बाबा रामदेव से कोविड जांच के लिए आग्रह कर सकते हैं।

यूपी पंचायत चुनाव: उन बीस जिलों के नाम जहां 26 अप्रैल को होगी वोटिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निवार्चन आयुक्त मनोज कुमार के चुनाव को कोविड नियमों का सख्ती से पालन करने तथा किसी भी तरह से पुनर्मतदान नहीं होने की सख्ती के बीच तीसरे चरण में बीस जिलों में 26 अप्रैल को वोट डाले जायेंगे । निवार्चन कायार्लय के अनुसार 746 जिला पंचायत,18530 क्षेत्र पंचायत तथा 14321 ग्राम पंचायत सदस्यों के चुनाव के लिये मतदान होगा । इसके लिये तीन करोड़ ,पाच लाख,71 हजार 613 मतदाता 49789 मतदान केन्द्रों पर मतदान करेंगे । राज्य के अमेठी, उन्नाव, औरैया, कानपुर देहात, कासगंज, चंदौली, जालौना , देवरिया, पीलीभीत, फतेहपुर, फिरोजाबाद, बलरामपुर, बलिया, बाराबंकी, मेरठ, मुरादाबाद, मिजार्पुर, शामली, सिद्धार्थनगर और हमीरपुर में मतदान होगा। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होगा और शाम छह बजे तक चलेगा । जितने लोग लाइन में होंगे उन्हें वोट देने दिया जायेगा ।

यूपी के सरकारी ऑफिसों में तीन शिफ्ट में होगा काम

लखनऊ। राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमणकाल को देखते हुए सरकारी कार्यालयों में 50 फीसदी कर्मियों को अब तीन शिफ्टों में बुलाने का फैसला किया है। प्रत्येक शिफ्ट आधे-आधे घंटे के अंतराल पर रखा गया है। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया है।

पहला शिफ्ट नौ बजे से–राज्य सरकार ने कोरोना महामारी को देखते हुए नौ अप्रैल से 50 फीसदी कर्मियों को रोस्टर के हिसाब से कार्यालय बुलाने का आदेश किया था। इसमें संशोधन करते हुए इसे तीन शिफ्टों में कर दिया गया है। पहला शिफ्ट नौ से 5.30 बजे, दूसरा 9.30 से छह बजे और तीसरा शिफ्ट 10 से शाम 6.30 बजे तक का होगा। सचिवालय, विधान परिषद, विधानसभा सचिवालय और निदेशालयों में इसके आधार पर ही अब अधिकारियों और कर्मचारियों को बुलाया जाएगा।

रोस्टर बनाकर बुलाया जाए–सभी विभागाध्यक्ष व नियंत्रक प्राधिकारी इस प्रकार की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक दिन कार्यालयों में अनुसचिव स्तर के अधिकार व अन्य तैनात 50 फीसदी कार्मिकों की उपस्थिति सुनिश्चित हो। शेष 50 फीसदी घर से ही काम करेंगे। इसके

लिए कार्मिकों का रोस्टर तय किया जाएगा। इस संबंध में परामर्श दिया जाता है कि वह अपने यहां कार्यरत कर्मिकों का साप्ताहिक रोस्टर इस बनाएं कि वैकल्पिक सप्ताह में कार्यालय आएं। कार्यालय आने वाले कार्मिकों का चिह्नीकरण करते हुए समय घर से दूरी व कार्यालय आने में उपयोग किए जाने वाले स्वयं के साधनों का भी ध्यान रखा जाएगा।

वीडियो कांफ्रेंसिंग से ही मीटिंग–रोस्टर के अनुसार घर से काम करने वाले कर्मी अपने मोबाइल व इलेक्ट्रानिक साधनों के माध्यम से कार्यालय के संपर्क में रहेंगे। उन्हें जरूरत के अनुसार पड़ने पर कार्यालय बुलाया जाएगा। यह दिशा-निर्देश उन कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जो आकस्मिक व आवश्यक सेवाओं से जुड़े हैं या कोविड-19 के रोकिाम में प्रत्यक्ष भूमिका निभा रहे हैं। सीढ़ियां, लिफ्ट व पार्किंग एरिया में भीड़ न लगने दी जाए। कार्यालय में सैनिटाइजेशन, मास्क, दो गज की दूरी व अन्य उय अपनाए जाएंगे। मीडिया यथा संभव वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ही की जाएगी। बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश कार्यालय में वर्जित किया जाए और 45 वर्ष अधिक से कार्मिों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया जाए।

जिंदा रहते बेड न मिला, मरने के बाद एंबुलेंस भी नहीं आई

गोरखपुर। गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र के रामनगर में किराए के मकान में रह रहे कोरोना संक्रमित पीडब्ल्यूडी के ड्राइवर व्यासमुनि पांडेय को तो पहले सीएमओ से निवेदन करने के बाद भी किसी अस्पताल में भर्ती होने के लिए बेड नहीं मिला। इलाज के अभाव में घर में ही मौत के बाद शव ले जाने के लिए एम्बुलेंस भी नहीं आई। पड़ोसियों ने भी दरवाजे बंद कर लिए। गुरुवार को दिन में 2.30 बजे उनकी मौत हुई और शव देर रात तक दरवाजे पर पड़ा था। देवरिया से आई उनकी पत्नी और पुत्र की रो-रो कर हाल बेहाल था।

देवरिया जनपद के बराव निवासी 55 वर्षीय व्यासमुनि पांडेय पीडब्ल्यूडी में ड्राइवर थे। वह बांसगांव तहसील के रामनगर चौराहे पर किराये का मकान लेकर अकेले रहते थे। रामनगर से ही गोरखपुर आते जाते थे। बुधवार को उनकी तबीयत खराब हुई तो सीएचसी बांसगांव गए। वहां एंटीजन जांच में वह कोरोना पॉजीटिव निकले । सीएचसी से मिली दवा लेकर वह कमरे पर आ

गए। शाम को परिवार को फोन किया तो बेटा राम अशीष, मां को लेकर रामनगर आ गया। बेटे ने सुबह पिता की तबीयत ज्यादा बिगड़ती देख अस्पताल में भर्ती कराने के लिए पहले 108 नम्बर पर फोन किया लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिला। कोरोना पॉजीटिव जान कोई प्राइवेट वाहन उसके पिता को बीआरडी कालेज लेकर जाने को तैयार नहीं हुआ। इसके बाद उसने डीएम के विजयेंद्र पांडियन को कॉल की तो उन्होंने सीएमओ का फोन नंबर देकर उनसे बात करने के लिए कहा। बेटे का आरोप है कि सीएमओ ने कहा कि बेड खाली नहीं है। यह सब करते दोपहर हो गई। आखिर कार दिन में 2-30 बजे व्यास मुनि के प्राण पखेरू उड़ गए। **शव ले जाने के लिए भी नहीं मिला शव**–फिर शव को ले जाने के 108 नम्बर पर फोन किया तो उधर से कहा गया कि कोरोना पॉजीटिव का शव ले जाने के लिए यह सेवा नहीं है। दोबारा फोन करने पर कहा गया कि पहले सीएमओ से लेटर लिखवाइए। सीएचसी बांसगांव को सूचना दी तो वहां से कहा गया कि पीपीई किट लेकर स्वास्थ्य कर्मचारी जा रहे हैं। लेकिन देर रात तक वहां पीपीई किट लेकर स्वस्थ्य कर्मचारी नहीं पहुंचे। यह हालत तब है जब ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सदर कुलदीप मीणा और एसडीएम बांसगांव ने भी इसके लिए कहा। इस मामले में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का पक्ष जानने का प्रयास किया गया लेकिन अफसरों ने फोन नहीं उठाया। संबंधित विभाग का पक्ष मिलने पर उसे प्रकाशित किया जाएगा।

एक ऐसा झूठ जिसने परिवार के छह लोगों को दस दिन में ठीक कर दिया कोरोना से

गोरखपुर। यूं तो झूठ बोलना गलत से है लेकिन एक ऐसा झूठ सामने आया है जो कोरोना संक्रमित परिवार के लिए संजीवनी बन गई। इस झूठ से मिली ताकत से परिवार ने 10 दिन में ही कोरोना को हरा दिया।

बरगदवा विकास नगर के रहने वाले देवांश के माता-पिता और बड़े भाई में कोरोना के लक्षण दिखे तो उन्होंने 9 अप्रैल को एंटीजन टेस्ट कराकर सभी को घर भेज दिया और उसकी रिपोर्ट खुद रख ली। तीनो पॉजिटिव थे। देवांश ने घर पहुंचने से पहले चिकित्सक से सम्पर्क कर तीनों के लिए दवाइयों के पैकेट बनवा लिए। घर पहुंचे तो मुस्कुराते हुए बोले, सभी की रिपोर्ट निगेटिव है। घबराने की कोई बात नहीं। लेकिन कहीं संक्रमण हो न जाए इसलिए एहतिहातन डॉक्टर ने ये दवाइयां दी हैं जिसे नियमित रूप से खाना है। साथ ही सभी को कम से कम 10 दिन आईसोलेट भी रहना है। किसी से मिलने-जुलने की जरूरत नहीं है।

सुबह शाम भाप लेना है और गर्म पानी पीना है। यह सारी बातें बताकर देवांश खुद दूसरे कमरे में आइसोलेट हो गए। हालांकि देवांश की रिपोर्ट निगेटिव थी।

देवांश ने बताया कि उनके माता-पिता कोरोना का नाम सुनते ही कांप जाते थे। उनके अंदर इस बीमारी को लेकर काफी दहशत है। ऐसे में मैंने उनसे उनकी रिपोर्ट छिपा दी। अगर बता देता तो सभी मानसिक रूप से बीमार हो जाते। झूठ बोलने का नतीजा रहा कि सभी आइसोलेशन में आराम से रह रहे थे। कुछ लक्षण जरूर थे लेकिन उससे उन्हें कोई खास तकलीफ नहीं हुई। नतीजा रहा कि महज 10 दिन के अंदर निगेटिव हो गए और आज पूरी तरह से स्वस्थ हैं। हालांकि अभी पिता जी और माता जी को थोड़ी कमजोरी है, वह भी धीरे-धीरे चली जाएगी।

पता चला तो लगे ठहाके–देवांश ने बताया कि 18 अप्रैल को दोबारा जांच में तीनों निगेटिव आ गए। जब रिपोर्ट निगेटिव आ गई तो बड़े भाई को सचाई बता दी। पहले तो वह चौंके लेकिन कुछ देर बार ठहाके मार के हंसने लगे। भाई की वह हंसी मुझे अजीवन याद रहेगी। भाई ने कहा भी कि एक झूठ ने कोरोना को हराया और एक सच ने चेहरे पर मुस्कान ला दी।

घर छोड़ने के बहाने गैंगरेप करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। मूक-बधिर महिला को बाइक से घर छोड़ने का झांसा देकर परिचित अपने दोस्त के घर ले गया। जहां आरोपी और उसके दोस्त ने महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी पिटाई कर दी। फिर युवती को उसके घर के पास छोड़ कर फरार हो गए।बेटी के साथ हुई हैवानियत का पता चलने पर मां ने गाजीपुर थाने पहुंच कर मुकदमा दर्ज कराया।जिसके आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह के मुताबिक 35 वर्षीय महिला के पति की मौत हो चुकी है। वह मायके में रहती है। बुधवार को महिला घर लौट रही थी।रास्ते में उसे मोनू कश्यप मिल गया। जो पहले महिला के मोहल्ले में रहता था। उसने महिला को बाइक पर बैठा लिया। इशारों में उसने महिला को घर पहुंचाने की बात कही। जिसके बाद वह पीड़िता को दोस्त दीपू कश्यप के गौतमपल्ली 1090 स्थित किराए के कमरे पर ले गया।जहां आरोपियों ने महिला के साथ दुराचार किया। मूक-बधिर महिला आरोपियों की हरकत का विरोध करने लगी। जिस पर उसे पीटा गया। इंस्पेक्टर गाजीपुर प्रशांत मिश्रा के अनुसार महिला के साथ गलत काम करने के बाद आरोपी ही उसे घर के बाहर छोड़ गए थे।बदहवास हालत में घर पहुंचने पर महिला की हालत देख उसकी मां सन्न रह गई। इशारों में महिला ने किसी तरह से मां को आपबीती बताई। जिसके बाद परिवार थाने पहुंचा था। वारदात की सूचना मिलते ही आरोपी मोनू और दीपू की तलाश पुलिस ने शुरू कर दी थी। गुरुवार को बस्तौली के पास से आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से एक बाइक भी बरामद हुई है। साथ ही महिला को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है।

भर्ती के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट जरूरी नहीं, एंटीजन पर भी जा सकेंगे अस्पताल

लखनऊ। कोविड मरीज की भर्ती के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट जरूरी नहीं है, अब एंटीजन पर भी अस्पताल जा सकेंगे। प्रभारी डीएम ने इस संबंध में अधीनस्थ अफसरों को निर्देश दिए हैं। अभी तक एंटीजन रिपोर्ट को अस्पताल मान नहीं रहे थे। कई मरीज ऐसे थे जिनके सभी लक्षण कोविड के थे लेकिन रिपोर्ट निगेटिव थी, ऐसे मरीजों को भी भर्ती नहीं किया जा रहा था। प्रभारी डीएम रौशन जैकब ने बताया कि उन्होंने निर्देश दिया है कि किसी भी मरीज को बेड खाली होने पर भर्ती कर लक्षण के आधार पर इलाज शुरू करना होगा। एंटीजन रिपोर्ट भी उतनी ही मान्य होगी जितनी की आरटीपीसीआर। प्रभारी डीएम ने गैर कोविड मरीजों को भी भर्ती करने के निर्देश दिए हैं।

कोरोना का कहर: अपनों के शव के लिए परिजनों का हंगामा, बोले-क्या निकाल ली है मरीजों की किडनी

नवाबगंज। उत्तर प्रदेश में कोरोना से हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। मरीजों और उनके परिवारवालों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। गुस्सा चरम पर पहुंच रहा है और रह-रहकर हंगामे की स्थिति सामने आ रही है। उन्नाव के एकमात्र कोविड-19 हॉस्पिटल नवाबगंज स्थित सरस्वती मेडिकल कालेज में तीन दिन के अंदर दूसरी बार हंगामा हुआ। यहां पिछले 24 घंटे में कोरोना से नौ मौतें हुईं। मृतकों के परिवारीजनों ने अस्पताल से शव सौंपने की मांग की। अस्पताल ने शासन के निर्देशों का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया तो परिवारवालों ने गुस्से में कहा कि क्या कोरोना से मरने वालों की किडनी निकाल ली गई है जो उनके शव परिवार को नहीं सौंपे जा रहे हैं।

हंगामे के बाद एडीएम राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शव, घरवालों को सौंपने की तैयारी चल रही है। इसके बावजूद घरवाले नहीं मान रहे हैं। रोज हंगामा कर रहे हैं। अब वे अपने रिस्क पर ले जाएं। बता दें कि सरस्वती मेडिकल कालेज में पिछले एक हफ्ते के दौरान 35 लोगों की मौत हो चुकी है। अपनों का हाल जानने के लिए मेडिकल कालेज के गेट पर हर वक्त तीमाददार मौजूद रहते हैं। शुक्रवार की सुबह उन्हें जानकारी हुई कि कोरोना से नौ लोगों ने दम तोड़ दिया है। इसके बाद तीमारदार, शव सौंपने की मांग करने लगे। इस पर मेडिकल कालेज प्रशासन ने इनकार कर दिया। सभी शवों को एंबुलेंस से कानपुर भैरव घाट भिजवाने की तैयारी की जाने लगी। इस पर भड़के तीमारदारों ने एंबुलेंस ड्राइवरों को पीट दिया। तीमारदारों का रुख देखकर एंबुलेंस ड्राइवर मौके से भाग खड़े हुए। उन्होंने शवों को ले जाने से इनकार कर दिया। तीमारदारों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन पर आरोप लगाया कि परिवारवालों को सिर्फ इसलिए शव नहीं सौंपे जा रहे क्योंकि मरीजों की किडनी निकाल ली गई है। इस बारे में मेडिकल कालेज के जनरल मैनेजर मनोज सिसौदिया ने कहा कि मेडिकल कालेज तो सिर्फ शासन के निर्देशों का पालन कर रहा है। निर्देश है कि कोविड-19 से मौत के बाद शव को सीधे घाट पर भेजा जाए लेकिन परिवारवाले लगातार इस काम में बाधा पहुंचा रहे हैं।

तीमारदारों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप–उधर, तीमारदारों ने मेडिकल कालेज प्रशासन पर इलाज में भारी लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यहां तो ठीक ढंग से इलाज किया जा रहा है और न ही उन्हें ठीक से खाना-पीना दिया जा रहा है। अंदर भर्ती मरीज अपने परिवारवालों को फोन करके इन असुविधाओं के बारे में जानकारी दे रहे हैं। गुस्साए तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए।

प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कोविड-19 पर वर्चुअली संवाद में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान वर्चुअल शामिल हुए।...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 पर मुख्यमंत्रियों से किया संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना की आपदा का सामना करने के लिए देश को एकजुट होना होगा। यह बड़ी विपदा है। ऑक्सीजन की कमी जैसी समस्याएँ सामने हैं, जिनकी कल्पना नहीं थी। लेकिन हम अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भी एकजुट होकर खड़ा है। इस एकजुटता से ही जन-जन में आत्म-विश्वास बनेगा और हम संकट पर विजय पाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि केन्द्र ने राज्यों को ऑक्सीजन आवंटित की है। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री श्री अमित शाह से लगातार सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ऑक्सीजन परिवहन को डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के अंतर्गत सम्मिलित करने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का आभार माना। उन्होंने कहा कि राज्यों को अपने स्तर पर भी ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित कोविड-19 पर मुख्यमंत्रियों से वर्चुअल संवाद में भाग ले रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस में सम्मिलित हुए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग और लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी भी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में 11 राज्यों के मुख्यमंत्री सम्मिलित हुए। नीति आयोग के सदस्य डॉ. बी.के. पाल ने देश में कोविड की स्थिति पर प्रस्तुतीकरण दिया। मध्यप्रदेश द्वारा ऑक्सीजन के मितव्ययी उपयोग के लिए किए गए प्रयासों की प्रस्तुतिकरण में सराहना हुई।

कोरोना आपदा का सामना करने के लिए देश को एकजुट होना होगा : मुख्यमंत्री श्री चौहान, ऑक्सीजन की मितव्ययता के लिए मध्यप्रदेश की हुई सराहना

ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए निरंतर प्रयास जारी-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। इन्दौर से दो टैंकर वायुसेना के विमान द्वारा जामनगर भेजे जा रहे हैं। इससे सड़क परिवहन में लगने वाले समय को बचाया जा सकेगा। प्रदेश में ऑक्सीजन बचाने के उद्देश्य से ऑक्सीजन ऑडिट की व्यवस्था की गई है। सभी अस्पतालों को पोर्टल से जोड़ते हुए, ऑक्सीजन का मितव्ययी उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। इस व्यवस्था से खण्डवा में अनुकरणीय पहल सामने आयी है। जहाँ 80 सिलेंडर उपयोग में आते थे, जिनकी संख्या घटकर 25 हो गई है। बीना रिफाइनरी में उपलब्ध ऑक्सीजन का उपयोग करने के लिए रिफाइनरी के पड़ोस में ही 1000 बिस्तर का अस्पताल बनाने का निर्णय लिया है।

सर्दी, खाँसी, जुकाम के मरीजों के लिए सहायता केन्द्र-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारा प्रयास यह है कि लोग घर पर ही ठीक हों और उन्हें अस्पताल जाने की आवश्यकता न पड़े। इसके लिए होम आइसोलेशन व्यवस्था में रह रहे मरीजों को डॉक्टर दो बार टेलीफोन से संपर्क करते हैं। मध्यप्रदेश में कोविड सहायता केन्द्र आरंभ किए गए हैं। यहाँ सर्दी, खाँसी, जुकाम के मरीजों की जाँच होगी। उन्हें मेडिकल किट उपलब्ध कराकर आइसोलेट किया जा रहा है। कोविड केयर सेंटरों की व्यवस्था को बेहतर बनाते हुए उन्हें अस्पताल के विकल्प के रूप में स्थापित किया जा रहा है।

रेमडेसिविर इंजेक्शन के उपयोग पर गाईड लाइन आवश्यक-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन के उपयोग के संबंध में भारत सरकार की ओर से निश्चित गाईड लाइन जारी होना आवश्यक है।

दवाइयों की कालाबाजारी पर रासुका-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंजेक्शन सहित सभी महत्वपूर्ण दवाइयों की कालाबाजारी करने पर रासुका के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। अफवाह उड़ाने वालों और कृत्रिम कमी का माहौल बनाने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।**जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए कर्फ्यू का प्रभावी**-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जानकारी दी की मध्यप्रदेश में जनता ने स्वयं तय कर कोरोना कर्फ्यू क्रियान्वित किया है। गाँवों में जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए कर्फ्यू प्रभावी रहा है। प्रदेश में आरंभ हुई आत्मानुशासन की इस मुहिम से पिछले छह-सात दिनों में पॉजिटिविटी की दर 25 प्रतिशत से नीचे आयी है और स्वस्थ होने वाले व्यक्तियों की संख्या भी बढ़ी है।

पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने आज प्रभार जिले खरगोन में फीवर क्लीनिक और वैक्सीन सेंटर बनाने के लिए स्थलों का भ्रमण किया।

घर पर रहें-आप सुरक्षित आपका परिवार सुरक्षित

रायसेन। कोरोना वायरस जनित कोविड-19 एक नवीन संक्रामक रोग है जिसके बारे में नित नए साक्ष्य प्राप्त हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा नवीन साक्ष्यों के दृष्टिगत प्रबंधन संबंधी दिशा-निर्देशों को अद्यतन किया गया है। कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ होने के पश्चात् कुछ रोगियों में थकान, शारीरिक दर्द, खांसी, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई आदि जैसे लक्षण उत्पन्न हो रहे हैं। निरन्तर सूखी खांसी अथवा गले में खराश जैसे लक्षण होने पर, नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे अथवा भाप लेने से आराम मिलता है। खांसी संबंधी औषधियाँ एलोपैथिक डॉक्टर अथवा आयुष चिकित्सक के परामर्श अनुरूप ही लेने की सलाह दी गई है। तेज बुखार, सांस की कठिनाई, ऑक्सीजन सैचुरेशन (ह्यश्चश्-2) 95 प्रतिशत होना, छाती में दबाव, जकड़न, हाल ही में मानसिक भ्रम की शिकायत होना, कमजोरी आदि के लक्षणों के प्रति सजगता रखी जाय एवं उपरोक्त में से कोई भी लक्षण होने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लिया जाये। कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ हुए रोगियों के लिए दिशा-निर्देश दिये गये है। कोविड-19 के गंभीर संक्रमण तथा को-मॉर्बिड रोग युक्त व्यक्तियों में रिकवरी अवधि प्रायरू अन्य रोगियों की तुलना में अधिक दीर्घ होती है। ऐसे रोगियों की सुदृढ़ एवं नियमित फॉलो-अप डिस्ट्रिक्ट कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर (डीसीसीसीसी) के चिकित्सकों के द्वारा किया जायेगा।

ग्राहक स्वयं को मजबूर नहीं मजबूत समझें: तरूण पिथौड़े

रायसेन। संचालक खाद्य एवं प्रबंध संचालक वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन श्री तरूण पिथोड़े ने उपभोक्ताओं से कहा कि ग्राहक के रूप में स्वयं को मजबूर नहीं मजबूत समझें। उन्होंने बताया कि वस्तु या सेवा प्राप्त करने वाले उपभोक्ता को उसके द्वारा किये गये भुगतान के विरूद्ध गुणवत्तापूर्ण सेवा अथवा वस्तु प्राप्त करने का संपूर्ण अधिकार प्राप्त है।

ग्राहक के रूप में प्राप्त अधिकार-श्री पिथोड़े ने बताया कि उपभोक्ता के रूप में आमजन को स्वास्थ्य तथा जीवन के लिए हानिकारक वस्तुओं से सुरक्षा, वस्तु एवं सेवा की गुणवत्ता, क्षमता, मात्रा, शुद्धता, मानक तथा मूल्य के बारे में जानकारी प्राप्त करना, यथा संभव प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर वस्तु की विभिन्न किस्मों की सुलभता, विभिन शासकीय एवं प्रशासकीय मंचों पर उपभोक्ता हितों को सुना जाना, किसी वस्तु या सेवा में कमी या त्रुटि होने पर होने वाले नुकसान से प्रतितोष प्राप्त करना एवं उपभोक्ता अधिकारों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है।

खरीदी से पहले रखें ध्यान-संचालक खाद्य श्री पिथोड़े ने बताया कि एक जागरूक उपभोक्ता के रूप में सामान या सेवा ऋय करने के पहले उपभोक्ता पहले से तय करें कि वास्तव में आप क्या खरीदना चाहते हैं। जल्दबाजी या दबाव में खरीददारी न करें। सही निर्णय लेकर सही उत्पाद या वस्तु खरीदें। उत्पाद परीक्षण के परिणाम और उपाभोक्ता विशेषज्ञों से प्राप्त अन्य जानकारी की समीक्षा करें। कई विक्रेताओं से सलाह लेकर गुणवत्ता के आधार पर मूल्य का तुलनात्मक अध्ययन करें। किसी भी अनुबंध या कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले उसे पढ़े, समझें और सुनिश्चित करें कि वहाँ कोई रिक्त स्थान न हो एवं विक्रेता से वापसी या विनिमय नीति की पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।

खरीदी के बाद भी हैं कुछ आपको अधिकार-उपभोक्ता उत्पाद का निरीक्षण ध्यान से करें, उत्पाद या सेवा का उपयोग करने के लिए निर्देशों का पालन करें,विज्ञापन, ब्रोशर और खरीद में आपको दिए गए मैनुअल की प्रतियां संभालकर रखें। इसके अलावा केवल निर्माताओं द्वारा लिखित सिफारिश/निर्देशों के अनुसार ही उत्पाद का उपयोग करें एवं सभी नकद रसीद/बिल अथवा संबंधित दस्तावेज संभालकर रखें।

रेस्टोरेन्ट में सर्विस चार्ज देना आपकी इच्छा पर-संचालक खाद्य श्री तरूण पिथोड़े ने बताया कि रेस्टोरेन्ट में सर्विस चार्ज देना उपभोक्ता की स्वैच्छा पर निर्भर करता है, इसे देने से वो इंकार भी कर सकता हैं।

मंत्री श्री पटेल ने बड़वानी अस्पताल को सौंपे 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और 5 वेंटिलेटर

भोपाल। पशुपालन एवं सामाजिक न्याय मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने शुक्रवार को बड़वानी जिला चिकित्सालय को कोलकाता से मंगवाए गए 100 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 25 बाई पेप और 5 वेंटिलेटर प्रदान किए। श्री पटेल ने अस्पताल में उपचाररत मरीजो को अपने समक्ष मशीन लगवाई। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर स्वतः ही हवा के माध्यम से प्रति मिनट लगभग 4-5 लीटर ऑक्सीजन बनाएगा,

100 मशीनों के द्वारा 100 मरीजो को 24 घण्टे पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध होगी। बड़वानी जिले के कोविड-प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि कोविड-19 से निपटने के लिए बड़वानी जिले में पर्याप्त व्यवस्थाएँ की जा रही है। राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी, सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश सोनी और कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

जबलपुर के गैलेक्सी अस्पताल में पांच कोरोना मरीजों की मौत, परिवार बोला- ऑक्सीजन की कमी से गई जान

भोपाल। कोरोना वायरस के कहर की वजह से देशभर में ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार मचा है। ऑक्सीजन की किल्लत की वजह से कई जगह हो रही मौतों के बीच मध्य प्रदेश के जबलपुर से भी दर्दनाक घटना सामने आई है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में गैलेक्सी अस्पताल के कोविड-19 वार्ड में एडमिट पांच मरीजों की मौत हो गई है। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, रिजनों का आरोप है कि अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी की वजह से मरीजों की मौत हुई है। फिलहाल, अस्पताल की ओर से अब तक इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। बता दें कि मध्य प्रदेश के कई जिलों में ऑक्सीजन की किल्लत देखने को मिल रही है। वहीं, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि राज्य को मिलने वाले ऑक्सीजन टैंकरों को लगातार ट्रैक किया जाए। हमें सभी स्त्रोतों का पूरी तरह से उपयोग करना है। जैसे बूंद-बूंद से घड़ा भरता है हमें वैसे प्रयास करने हैं। अपने आवास से शिवराज सिंह ने वचुर्अली प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करने के दौरान कहा कि प्रदेश की औद्योगिक इकाइयों से मिल सकने वाली संभावनाओं को तलाशें और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की उपलब्धता को भी बढ़ाएं। केन्द्र सरकार से ऑक्सीजन आपूर्ति के संबंध में निरंतर समन्वय जारी है। जिलों में अगले 24 घंटे की ऑक्सीजन की आवश्यकता का आंकलन कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। कोरोना से प्रभावित व्यक्तियों का इलाज कर रहे सभी छोटे-बड़े अस्पतालों में ऑक्सीजन के उपयोग और आपूर्ति की निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों को दायित्व सौंपा जाए। उन्होंने कोरोना की रोकथाम और व्यवस्थाओं के लिए गठित कोर ग्रुप से भी जानकारी ली। बैठक में कटनी और पन्ना जिलों की स्थिति की विशेष समीक्षा की गई।

दो थप्पड़ खा जाओगे: ऑक्सीजन मांगने वाले शख्स को केंद्रीय मंत्री ने ऐसे दिया जवाब

भोपाल। कोरोना कहर के बीच ऑक्सीजन को लेकर देशभर में हाहाकार मचा हुआ है। इस बीच केंद्रीय संस्कृति मंत्री प्रह्लाद पटेल(प्रहलाद पटेल) का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह बीमार मां के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग करने वाले एक शख्स को दो थप्पड़ लगाने की बात कहते सुने जा सकते हैं। एक तरफ जहां विपक्ष ने इस घटना को लेकर मंत्री पर निशाना साधा है, वहीं, पटेल से इस वीडियो को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। जिला अस्पताल से दो दिन पहले ऑक्सीजन सिलेंडर लूटे जाने की घटना के बाद दमोह से सांसद पटेल अस्पताल का दौरान करने पहुंचे थे। इस दौरान, एक व्यक्ति ने अपनी कोविड-19 पीड़ित मां के लिए पटेल से ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि जब बातचीत के दौरान व्यक्ति ने पटेल की तरफ उंगली उठाई तो गुस्साए मंत्री ने उससे उंगली नीचे करने का इशारा किया और कहा, ऐसे बोलेगा तो दो खाएगा। बता दें कि मध्य प्रदेश में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 12,384 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या 4,59,195 तक पहुंच गयी। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से प्रदेश में 75 और व्यक्तियों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से जान गंवाने वालों की संख्या 4,863 हो गयी है।

रेमडेसिविर की कालाबाजारी करते दो डॉक्टर सहित 5 गिरफ्तार

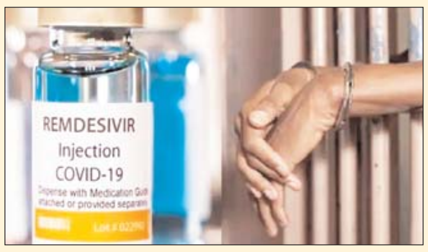

भोपाल। कोरोना वायरस कहर के बीच पूरे देश में रेमडेसिविर और ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार जारी है। इस बीच मध्य प्रदेश में रेमडेसिविर के कालाबाजारी का मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के लिए कारगर रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी के आरोप में निजी अस्पताल के दो चिकित्सकों सहित पांच लोगों को बृहस्पतिवार को यहां गिरफ्तार किया। एसटीएफ (जबलपुर) के पुलिस अधीक्षक नीरज सोनी ने बताया कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करते हुए दो चिकित्सकों और तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किये गये आरोपियों में डॉ. जीतेन्द्र सिंह ठाकुर (26), डॉ. नीरज साहू (26), सुधीर सोनी (27), राहुल विश्वकर्मा (24) एवं राकेश मालवीय (31) शामिल हैं। सोनी ने बताया कि डॉ. जीतेन्द्र लाइफ मेडिसिटी हॉस्पिटल में जबकि डॉ. नीरज आशीष अस्पताल में काम करते हैं। बाकी तीनों शंकरधानी अस्पताल में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि आरोपियों के पास से चार रेमडेसिविर इंजेक्शन, छह मोबाइल फोन, एक चार पहिया वाहन एवं 10,400 रूपये नगद बरामद किए गए हैं।

लॉकडाउन लागू करवाने गए पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों ने बोला हमला, 65 के खिलाफ केस दर्ज

भोपाल। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में लॉकडाउन के दौरान रामलीला के लिए मना किए जाने पर ग्रामीणों ने तीन पुलिसकर्मियों पर हमला बोल दिया। इस मामले में पुलिस ने 65 ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने जिले के बरदिया राठौर गांव के 15 चिन्हित और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 353 (हमला या आपराधिक बल पर अपने कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के लिए), 188 (लोक सेवक के आदेश की मुखालफत) और 147 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

ग्रामीणों के हमले में सब-इंस्पेक्टर आरसी गौड़, कॉन्स्टेबल विक्रम और अशोक चव्हाण घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें जिले के एक अस्पताल

में भर्ती करवाया गया है। तीनों की हालत स्थिर बताई गई है। रतलाम के एसपी गौरव तिवारी ने कहा, पुलिसकर्मियों को बुधवार की शाम को पता चला कि गांव में तकरीबन 200 ग्रामीणों की मौजूदगी में रामलीला रखी गई है। जब उन्होंने उसे रोकने के लिए पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनके ऊपर हमला कर दिया। उन्होंने किसी तरह अपनी जान बचाते हुए नजदीकी पुलिस थाने आ गए। बाद में पुलिसफोर्स ने गांव में जाकर हालात पर काबू पाया। पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि इस मामले में 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि 50 अन्य लोगों को पकड़ने के लिए सर्च अभियान जारी है।

एक नजर...

कलेक्टर ने रात्रि में चिरूला नाका का किया निरीक्षण

दतिया । कलेक्टर संजय कुमार ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के साथ कोरोना संक्रमण के चेन का तोड़ने हेतु जिले की सीमाओं पर बनाये गए नाकों का रात्रि में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पदस्थ कर्मचारियों से लोगों के आवागमन के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने इस दौरान आने-जाने वाले लोगों को समझाईश देते हुए कह कि अनावश्यक रूप से अपने धरों से न निकलें। अपने घरों में ही रहकर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित रखें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हरसिंगार का पौधा रोपा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज निवास में हरसिंगार का पौधा रोपा। हरसिंगार का पौधा बहुत ही उत्तम औषधि है। हरसिंगार (पारिजात) पाचन तंत्र, पेट के कीड़े की बीमारी, बुखार, लीवर विकार सहित अन्य कई रोगों के उपचार में उपयोगी होता है। इसके पत्ते को उबाल कर बनाया गया काढ़ा पीने से बरसों पुराना घुटनों का दर्द ठीक हो जाता है।

सेवाभाव दे रहा ग्वालियर को राहत की सांसे, लगातार बढ़ रहे मानवता मददगार

ग्वालियर। देश-प्रदेश के साथ ही जहां ग्वालियर में भी ऑक्सीजन की किल्लत शुरू हो गई है। तमाम निजी व सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन के लिए मारा-मारी का माहौल बनना शुरू हो गया है। ऐसे में ग्वालियर के विभिन्न सामाजिक संगठनों का सेवाभाव ग्वालियरवासियों को राहत की सांसे दे रहा है। शहर में लगातार मानवता के हाथ व मददगारों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस कड़ी में शुक्रवार को विभिन्ना सामाजिक संस्थाओं द्वारा 10 आक्सीजन कंडेटर मशीन जिला प्रशासन को दान स्वरूप दी गई हैं। समाजसेवी किशन मुदगल ने बताया कि एक आक्सीजन कंडेटर की कीमत करीब 44 हजार रुपये हैं। यह मशीन हवा से सोख कर रोजाना करीब 6 लीटर आक्सीजन बनाती है। इस तरह रोजान इन 10 मशीनों से करीब 60 लीटर आक्सीजन बनेगी। जो कोरोना से जंग लड़ रहे लोगों के लिए मददगार बनेगी। इसके साथ ही सिंधिया एजुकेशन सोसायटी के सचिव एवं पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल द्वारा एक और सराहनीय प्रयास किया गया है। अग्रवाल ने एमआइटीएस परिसर के 100 बेड के होस्टल को कोरोना पीड़ितों के लिये आइसोलेशन सेंटर में बदलने का प्रस्ताव कलेक्टर के सामने रखा है। जिसपर प्रशासन द्वारा ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि प्रशासन के लिए कोविड केयर सेंटर में डाक्टरों को तैनात कर पाना मुश्किल हो रहा है। डाक्टर व अन्य व अन्य नर्सिंग स्टाफ की शहर में कमी है।

-इन्होंने दान की सांसों की 10 मशीनें

एमआइटीएस कालेज संचालक आरके पंडित एवं पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने एमआइटीएस की ओर से, मध्यप्रदेश सनाढ्य सभा अध्यक्ष किशन मुदगल ने सनाढ्य सभा की ओर से, युवा उद्यमी कपिल मुदगल द्वारा अपनी निर्माण एजेंसी एम-एस भवानी प्रसाद शर्मा शासकीय कॉन्ट्रेक्टर की ओर एवं समाजसेवी केसी राजपूत ने 2-2 (कुल 10) आक्सीजन कंडेटर दिए हैं। सहायता राशि कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को चैक द्वारा सौंपी दी गई है।

शपथ पत्र पर शादी के मामले बढ़ रहे हैं, ऐसे में कोर्ट आंखें बंद करके नहीं रख सकता

ग्वालियर। हाई कोर्ट की एकलपीठ ने दुष्कर्म के आरोपित की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपित ने कोर्ट में पीड़िता से विवाह का शपथ पत्र पेश किया था। इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि शपथ पत्र पर विवाह करने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में न्यायालय आंखें बंद करके नहीं रख सकता है। इसलिए विधि विधायी विभाग शपथ पत्र पर विवाह कराने वाले मामले में कार्रवाई करे। साथ ही स्टेट बार काउंसिल शपथ पत्र पर विवाह कराने वाले अधिवक्ताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करे। कोर्ट ने तीन माह में पालन प्रतिवेदन रिपोर्ट मांगी है। आरोपित गजेन्द्र सिंह के खिलाफ सबलगढ़ जिला मुरैना में दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। उसने हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। उसकी ओर से तर्क दिया गया कि वह विवाहित है और उसकी दो बेटियां हैं। उसका फरियादी के साथ प्रेम संबंध थे और फरियादी से शादी कर ली। जमानत याचिका का विरोध करते हुए शासन की ओर से कहा गया कि आरोपित पहले विवाह के अस्तित्व में रहते हुए दूसरा विवाह नहीं कर सकता है। आरोपित का दूसरे विवाह का प्रस्तुत शपथ पत्र कानून के खिलाफ है। वर्तमान में आरोपितों की ओर से महिलाओं को धोखा देने के लिए इस प्रकार से अवैध शपथ पत्र बनवाए जा रहे हैं। आरोपित ने सिंगरौली से विवाह का शपथ पत्र बनवाकर कोर्ट में पेश किया था। हाई कोर्ट ने इस मामले में शपथ पत्र बनाने वाले अधिवक्ता को नोटिस जारी किए थे, उनसे पूछा था कि यह शपथ पत्र किस नियम के तहत बनाए हैं। इस पर दोनों अधिवक्ताओं ने न्यायालय में क्षमायाचना करते हुए जवाब दिया, लेकिन उन्होंने अपनी क्षमायाचना में यह जिक्र नहीं किया कि किस कानून के तहत इस प्रकार के शपथ पत्र बनाए जा सकते हैं। पहले विवाह के अस्तित्व में रहते इस प्रकार किया गया दूसरा विवाह शून्य है। इसकी जानकारी होने के बाद भी दोनों अधिवक्ताओं द्वारा किए गए इस कार्य को सही नहीं कहा जा सकता है। जिस प्रकार से आरोपित जमानत के लिए आया है उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता है।

काल पर भारी कोरोना: अब रात में भी जल रही चिताएं

इस शहर में बदल गईं परंपराएं और बख्त

ग्वालियर. लगता है कोरोना अब काल पर भी भारी पड़ गया है. इस महामारी से पूरे प्रदेश में तो हाहाकार मचा ही है, लेकिन ग्वालियर में इसने परंपरा और काल के समय चक्र को भी मात दे दी है. ग्वालियर में अब चिताओं को रात में भी जलाया जा रहा है. जगह नहीं होने पर उन्हें श्मशान घाट के रास्ते में ही जला दिया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम अब कोविड से मरने वाले लोगों के शवों का बोझ नहीं उठा पा रहा. यहां एक ही दिन में 20 से ज्यादा चिताएं जलाई जा रही हैं. गुरुवार को यहां 22 चिताओं को अग्नि दी गई. शाम 4-30 बजे यहां 8 चिताएं जमीन पर जल रहीं थीं और 12 शव का अंतिम संस्कार गैस शवदाह गृह में किया गया. यहां अब रात में भी शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है.

पीपीई किट में विश्राम घाट जा रहे परिजन- बता दें, कोरोना प्रोटोकॉल से होने वाले शवों का

अंतिम संस्कार करने के लिए 3 से 4 परिजन ही पहुंच रहे हैं. परिजन भी डर के मारे पीपीई किट में जा रहे हैं. गुरार को जब विश्राम घाट में जगह कम पड़ी तो 8 शवों के अंतिम संस्कार विश्राम घाट के रास्ते पर चिता बनाकर किए गए.

इतनी हुए एक्टिव मरीजों की संख्या- मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस के एक्टिव मरीजों की संख्या 84957 हो गई है. 9620 मरीज़ अस्पताल से स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं. इंदौर मे 2107, भोपाल में 1008, जबलपुर में 462, ग्वालियर में 714 मरीज़ स्वस्थ होकर घर लौट चुक हैं. प्रदेश भर में 24 घंटों में कोरोना संक्रमित मरीजों के 12384 नए मामले सामने आए. इंदौर में 1781, भोपाल में 1739, जबलपुर में 803, ग्वालियर में 1190 कोरोना पॉज़िटिव मिले. 75 लोगो की कोरोना संक्रमण से मौत हो गई.

सेक्स रैकेट: सर, कोरोना में अगर ये काम नहीं करते तो भूखे मर जाते

ग्वालियर. ग्वालियर पुलिस के सामने उस वक्त असमंजस और असहज स्थिति बन गई, जब पकड़ी गई कॉल गर्ल्स ने आपबीती सुनाई. पुलिस ने मामला के जांच के बाद उन्हें मेहनत और ईमानदारी से दूसरे काम करने की समझाइश दी. दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि सिटी सेंटर में कलेक्टोरेट के पीछे सेक्स रैकट चल रहा है. यहां एक घर में लॉज का बोर्ड लगा है और कई लोगों का आना-जाना हो रहा है. सूचना मिलते ही पुलिस ने यहां छापा मारा. छापे में दिल्ली और कोलकाता की 5 युवतियां एक कस्टमर के साथ मिलीं. पूछताछ में युवतियों ने सेक्स रैकेट चलाने वाले अनुज शिवहरे और गौरव जैन का नाम बताया.

भुखमरी और कोरोना ने कर दिया मजबूर- इस दौरान जब महिला पुलिस ऑफिसर ने लड़कियों से पूछताछ की तो उन्होंने आपबीती सुनाई. एक लड़की ने बताया - पिता की मौत हो चुकी है. उसके बाद घर की जिम्मेदारी मां पर आ गई. लेकिन कुछ दिनों बाद मां भी बीमारी रहने लगी. घर में भूखे मरने की नौबत आ गई. कभी पड़ोसी से उधार मांग लेते, तो कभी किसी से. घर में छोटी बहन भी थी. उसकी जिम्मेदारी भी मेरे ऊपर थी. इस बीच कोरोना ने पूरे परिवार की कमर तोड़ दी और मुझे इस सेक्स रैकेट का हिस्सा बनना पड़ा. इससे कम से कम पैसे तो आने लगे. घर में सबकुछ ठीक हो गया. करीब-करीब यही हालात सभी लड़कियों के थे.

फिलहाल पुलिस से दूर हैं आरोपी- पुलिस के मुताबिक, हमारे पास इस सेक्स रैकेट को चलाने वाले अनुज शिवहरे और गौरव जैन का नाम आया है. ये फिलहाल पुलिस की पकड़ से दूर हैं. बताया जाता है कि अनुज आनंद नगर में शराब और स्मैक का धंधा करता है. यहां वह मामा का बाजार में रह रहा था. अनुज मूल रूप से झांसी के गुरसराय का रहने वाला है. पुलिस ने झांसी गुरसराय में अनुज के घर दबिश भी दी, लेकिन वह मिला नहीं. पुलिस के सेक्स रैकेट पकड़ने के बाद अनुज और गौरव दोनों अंडरग्राउंड हो चुके हैं.

रेमेडेसिविर इंजेक्शन के वितरण के लिये कलेक्टर ने बनाई दो सदस्यीय समिति

ग्वालियर। गंभीर कोरोना मरीजों के इलाज में इस्तेमाल हो रहे रेमेडेसिविर इंजेक्शनस को पारदर्शिता के साथ वितरित करने के लिए कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने दो सदस्यीय समिति बनाई है। यह समिति संबंधित अस्पतालों में पहुँचेगी और निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत और पूरी पारदर्शिता के साथ गंभीर मरीजों के लिए इंजेक्शन मुहैया कराएगी। रेमेडेसिविर इंजेक्शन वितरण के लिए गठित समिति में ड्रग इंस्पेक्टर श्री दिलीप अग्रवाल और चिकित्सा अधिकारी डॉ नागेन्द्र ऋषीश्वर को शामिल किया गया है।

ग्वालियर के लिए प्रदेश सरकार ने आज फिर पहुंचाए रेमेडेसिविर इंजेक्शन

ग्वालियर। कोरोना के इलाज के लिए प्रदेश सरकार द्वारा रेमेडेसिविर इंजेक्शन सहित अन्य जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में प्रदेश सरकार द्वारा आज विशेष विमान से ग्वालियर-चंबल संभाग के लिए फिर से रेमेडेसिविर इंजेक्शन पहुंचाए गए हैं। यहाँ राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुरा पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने रेमेडेसिविर इंजेक्शन के डिब्बे रिसीव किये। ग्वालियर जिले के अस्पतालों में भर्ती मरीजों को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत रेमिडेसिविर इंजेक्शन मुहैया कराने के लिए कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने विशेष व्यवस्था बनाई है।

हौसलों और दवाओं से जीती 90 साल की वृद्धा ने कोरोना से जंग

ग्वालियर। कोरोना महामारी को दवाओं के साथ आपके हौसले आसानी से हरा सकते हैं। शिंदे की छावनी स्थित अलीजाबाग निवासी 90 वर्षीय शीला सचदेवा 17 अप्रैल को कोरोना पाजिटिव पाई गई थी। घरवाले घबरा गए और उन्हें जेएएच के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कर दिया। यहां उनका पांच दिन इलाज चला और उनके स्वास्थ्य में सुधार देखते हुए 21 अप्रैल को डिस्चार्ज कर दिया। अब वह घर पर हैं और पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उनकी नातिन ने एक फोटो फेसबुक पर शेयर कर लिखा कि जीवन को जीने की जीवटता जब तक आप में है तब तक कोई भी महामारी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। शीला सचदेवा के पड़ोसी समाजसेवी कमल मिश्रा ने बताया कि माताजी ने 15 अप्रैल को कोरोना वैक्सीन का टीका लगवाया था। इसके बाद उन्हें बुखार आया और जांच कराई तो संक्रमित पाई गईं। डर था कि इस उम्र में उनकी सुनने की क्षमता भी कम हो चुकी है और शरीरिक कमजोरी के चलते महामारी से कोई अनहोनी न हो जाए। डर का कारण बाजार में रेमडेसिविर, प्लाज्मा और अन्य दवाओं की किल्लत भी थी।

योग से निरोग कार्यक्रम से होम आइसोलेशन मरीजों को मिलेगा स्वास्थ्य लाभ

ग्वालियर। कोविड-19 से संक्रमित ऐसे मरीज जो होम आइसोलेशन में है, उनका मनोबल में वृद्धि तथा स्वास्थ्य लाभ हेतु राज्य शासन द्वारा ''योग से निरोग'' कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। कोरोना-19 बीमारी में योग से निरोग करने के लिए राज्य स्तर पर तथा जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर होम आइसोलेशन मरीजों को योग करने के लिए प्रोत्साहित कर उनको योग के फायदे बताने का कार्य योग प्रशिक्षकों द्वारा किया जायेगा। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने संभाग के सभी जिला कलेक्टरों को जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य होम आइसोलेशन के कारण मरीजों को घर पर ही योग तथा प्राणायाम संबंधित नियमों की जानकारी तथा अभ्यास दूरभाष वीडियो कॉल आदि के माध्यम से करा कर उन्हें पुनः स्वस्थ होने में सहयोग देना है। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने संभाग के जिला कलेक्टर को निर्देश दिए कि जिले में योग प्रशिक्षण का कार्य जिला स्तर अपर कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला आयुष अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा इंडियन योग एसोसिएशन के सहयोग से कार्यक्रम का संचालित किया जायेगा। डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल सेंटर द्वारा प्रतिदिन होम आइसोलेशन मरीजों से दूरभाष पर संपर्क के दौरान योग प्रशिक्षण के संबंध में 03 अतिरिक्त प्रश्न पूछे जायेगें जिनके जवाब सार्थक पोर्टल पर उनके द्वारा अंकित किए जायेगें। योग से निरोग कार्यक्रम से अधिक से अधिक योग प्रशिक्षक वालंटियर जुडे तथा होम आइसोलेशन के मरीजों को पुनः स्वास्थ्य होने में सहयोग प्रदान करें !

रूठी पत्नी को इंग्लैंड से लेने आया डॉक्टर पति जानिए कैसे कोरोना बन गया 'कबाब में हड्डी'

ग्वालियर. कोरोना ने रिश्तों पर भी किस कदर कहर बरपाया है, इसका अंदाजा इस खबर से हो जाएगा. एक डॉक्टर पति, पत्नी को लेने इंग्लैंड से आया है, लेकिन महामारी की वजह से अब उसे बिना पत्नी को लिए वापस जाना होगा. दरअसल, फैमिली कोर्ट ने युवक को आदेश दिया था कि वह पत्नी के साथ आकर काउंसलिंग कराए. पति आया भी, लेकिन कोरोना बीच में आ गया. शहर में कोरोना कर्फ्यू लगा हुआ है, जिस वजह से कोर्ट बंद था और पति-पत्नी की काउंसलिंग नहीं हो सकी. डॉक्टर पति को अब तीन दिन बाद लौटना है, पर पत्नी साथ नहीं जा सकेगी. अब फैमिली कोर्ट में अगली तारीख मिलेगी. लेकिन, डॉक्टर कब आएंगे ये कहा नहीं जा सकता.

मेट्रिमोनियल साइट से हुआ रिश्ता- मामला कुछ यूं है कि ग्वालियर के थाटीपुर निवासी एक डॉक्टर की शादी पंजाब के जालंधर में रहने वाली लड़की से हुई. दोनों मेट्रिमोनियल साइट से एक-दूसरे के संपर्क में आए. परिवार ने दोनों की 12 नवंबर 2018 को शादी करा दी. इसके बाद लड़की सास और मौसी सास पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर 2019 में ससुराल छोड़ दिया और मायके चली गई. इधर डॉक्टर भी इंग्लैंड चले गए. **पत्नी ने पति की एप्लीकेशन का किया विरोध-** पत्नी के जाने के बाद डॉक्टर ने ग्वालियर फैमिली कोर्ट में एप्लीकेशन दी कि वह वह पत्नी को वैवाहिक जीवन का सुख देना चाहता है. उसे अपने साथ रखने के लिए तैयार है. हालांकि, इस एप्लीकेशन का जब लड़की को पता चला तो उसने विरोध किया. उसने कहा कि पति उसे इंग्लैंड में साथ नहीं रखना चाहता. वह चाहता है कि मैं ग्वालियर में ससुराल में रहूं. अगर डॉक्टर यहां रहे तो इंग्लैंड में परेशानी होगी-वकील फैमिली कोर्ट ने पिछली सुनवाई पर डॉक्टर के वकील को साफ शब्दों में कहा था कि वह डॉक्टर को अगली तारीख पर कोर्ट में पेश करे. इस पर डॉक्टर पत्नी को लेने इंग्लैंड से ग्वालियर आया. मंगलवार को कोर्ट में पेश होना था, लेकिन कर्फ्यू के चलते कोर्ट बंद है और कांउसिलिंग नहीं हो सकी. डॉक्टर के वकील ने बताया कि इस समय इंग्लैंड में भी कोरोना को लेकर माहौल काफी खराब है. वहां डॉक्टरों को छुट्?टी नहीं मिल रही है. अब जब डॉक्टर इंडिया से वापस इंग्लैंड जाएगा तो रेड लिस्ट में आ जाएगा.

राजस्थानी हवाओं ने बढ़ाई र्मी, पारा 41.5 डिसे पर

ग्वालियर। राजस्थान से आ रही गर्म हवाओं से शुक्रवार को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुचं गया। गत दिवस की तुलना में पांच डिग्री सेल्सियस का उछाल आया है, जबकि सामान्य से यह 1.1 डिसे अधिक रहा। इस उछाल से शहर में भीषण गर्मी ने फिर दस्तक दे दी। दोपहर में गर्म हवा के थपेड़ों ने लोगों को बेहाल कर दिया। जम्मू कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय था, इससे पिछले दो दिनों से अधिकतम तापमान में गिरावट जारी थी। गत दिवस तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया था। शुक्रवार को सुबह ठंडी हवा चल रही थी, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद हवा का रुख राजस्थान से हो गया। यह हवा अपने साथ राजस्थान की गर्मी ले आई। सुबह 11-30 बजे के बाद तापमान ने उछाल मारी। हवा भी गर्म हो गई। भीषण गर्मी का अहसास हुआ। मौसम विभाग ने अप्रैल के सात दिनों में जो पूर्वानुमान लगाया था, वह सही रहा। पारा 41 के पार पहुंच गया।

आगे कैसा रहेगा मौसम

- मौसम को प्रभावित करने वाला कोई सिस्टम नहीं है, आसमान साफ रहेगा। हवा का रुख पश्चिमी हो गया है। राजस्थान तपेगा, शहर में वैसे ही शहर में गर्मी बढ़ना शुरू हो जाएगी। तापमान में बढ़ोतरी होगी।
- अप्रैल के अगले 6 दिनों में तापमान बढ़ना जारी रहेगा। 43 डिग्री सेल्सियस के करीब तापमान पहुंच सकता है। लू के भी आसार बनेंगे।
- रात का तापमान सामान्य के आसपास ही रहेगा। इससे रात में गर्मी कम रहेगी।

अब प्रातः 6 बजे प्रातः 9 बजे तक ही मोहल्लों की किराना दुकानें खोलने की अनुमति

जिला दंडाधिकारी द्वारा धारा 144 के तहत संशोधित आदेश जारी

ग्वालियर। बढ़ते हुए कोरोना संक्रमण पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कोरोना कर्फ्यू के संबंध में धारा-144 के तहत जारी किए गए आदेश में आशिंक संशोधन किया है। संशोधित आदेश के तहत अब कोरोना कर्फ्यू के दौरान मोहल्लों की किराना दुकानें प्रातः 6 बजे से प्रातः 9 बजे तक ही खोली जा सकेंगी। इसी अवधि में थोक व्यवसायी खेरीज विक्रेताओं को सामान की होम डिलीवरी कर सकेंगे । धारा 144 के तहत जारी किए गए संशोधित आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्रातः 9 बजे के बाद दुकानें खोलने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। आदेश का उल्लंघन भारतीय दंड संहिता की धारा 188 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत दण्डनीय होगा ।

पंचायत एवं मनरेगा

के समस्त अभिलेख के थोक एवं खेरिज विक्रेता

मनीष बंसल

मो.नं. 9755898938

पता-कल्पना नगर मुरार.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

Whatsapp :- 9425665944, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478